RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

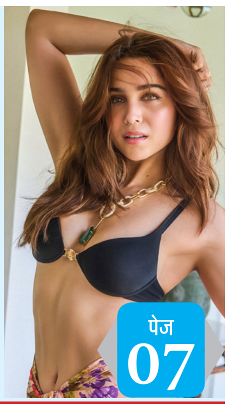

अपनी फिल्म को मिले प्यार पर आभार जताया शरवरी वाघ ने

पेज 07

VOL: 03 | ISSUE 155 | SUNDAY DATE 28-06-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

अब और आसान होंगी स्वास्थ्य सेवाएं, 29 जून को जेपी नड्डा करेंगे नई डिजिटल पहलों की शुरूआत

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून ।**

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कई डिजिटल पहल शुरू करने जा रहे हैं।शनिवार को इसकी घोषणा की गई। इनमें 'आरोग्य सेतु 2.0' भी शामिल है, जो नागरिकों के लिए एक व्यापक पर्सनल हेल्थ रिकॉर्ड एप्लीकेशन (पीएचआर) है।

राष्ट्रीय राजधानी में 29 जून को होने वाले इस लॉन्च इवेंट में राज्यों के प्रतिनिधि, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, हेल्थकेयर लीडर्स, टेक्नोलॉजी पार्टनर, इंडस्ट्री के प्रतिनिधि और हेल्थकेयर इकोसिस्टम से जुड़े मुख्य स्टेकहोल्डर्स शामिल होंगे। यह इवेंट भारत की एक कनेक्टेड और इंटरऑपरेबल हेल्थकेयर इकोसिस्टम बनाने की यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होगा। शुरू की जा रही पहलों में नागरिकों के लिए एप्लीकेशन, सर्विस देने वालों (प्रोवाइडर्स) के लिए समाधान, इंटरऑपरेबिलिटी फ्रेमवर्क, रजिस्ट्रियां और डेटा स्टैंडर्ड्स शामिल हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान बने भरोसे और पहुंच को आगे बढ़ाते हुए, नया 'आरोग्य सेतु 2.0' एप्लीकेशन एक ही प्लेटफॉर्म के जरिए कई डिजिटल हेल्थ सर्विस तक पहुंचने का जरिया देता है। मंत्रालय के अनुसार, यह एप्लीकेशन आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) बनाने और मैनेज करने, डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड तक पहुंचने और उन्हें शेयर करने, सहमति-आधारित हेल्थ जानकारी के आदान-प्रदान, एआई-पावर्ड हेल्थ इनसाइट्स और स्मार्ट हेल्थ रिपोर्ट, पहनने योग्य डिवाइस (वियरेबल डिवाइस) के इंटीग्रेशन, 'स्कैन एंड रजिस्टर' के जरिए ओपीडी रजिस्ट्रेशन, 'स्कैन एंड पे' के जरिए अस्पताल के पेमेंट, दवा के रिमाइंडर और परिवार की हेल्थ मैनेजमेंट की सुविधा देता है। यह आस-पास की हेल्थकेयर सुविधाओं और डॉक्टरों, एम्बुलेंस सेवाओं, ब्लड यूनिट की उपलब्धता वाले ब्लड बैंकों और जन औषधि केंद्रों को खोजने में भी मदद करता है। इसके अलावा, यह एप्लीकेशन पीएम-जेएवाई सेवाओं तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें पीएम-जेएवाई से जुड़े अस्पतालों को खोजना, एबी पीएम-जेएवाई वॉलेट और आयुष्मान सीएपीएफ पॉलिसी की जानकारी तक पहुंचना और अन्य हेल्थकेयर सेवाओं का आसानी से लाभ उठाना शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

नीट पेपर लीक पर कांग्रेस का प्रहार, शिक्षा मंत्री और पीएम से मांगा इस्तीफा

देवघर, यूटर्न/ 27 जून । कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र कुमार ने शनिवार को देवघर में आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी देश के छात्रों और युवाओं की आवाज बन चुके हैं।उनकी आवाज और छात्रों की समस्याओं को जनता तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस सभी जिलों में अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा बन चुका है।इतनी महत्वपूर्ण परीक्षा भी केंद्र सरकार निष्पक्ष तरीके से नहीं करा पा रही है।केंद्रीय शिक्षा मंत्री से लगातार इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन वे हठधर्मिता पर अड़े हुए हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाओं के मूल्यांकन में भी व्यापक गड़बड़ियां सामने आयी हैं, जिससे पांच लाख से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं।

नाजिया इलाही खान को पानीपत कोर्ट का नोटिसः धार्मिक टिप्पणियों पर संज्ञान

पानीपत, यूटर्न/ 27 जून । सोशल मीडिया हस्ती नाजिया इलाही खान की कानूनी मुश्किलें बढ़ी हैं। पानीपत की एक अदालत ने उनके खिलाफ दायर याचिका पर संज्ञान लेकर नोटिस जारी किया है। यह याचिका मुस्लिम समुदाय के कुछ प्रतिनिधियों और मुस्लिम लीगल एड ट्रस्ट द्वारा दायर की गई है, जिसमें आरोप है कि नाजिया ने एक पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पर इस्लाम, मुस्लिम महिलाओं, पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब और हजरत आयशा से जुड़े विषयों पर विवादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन टिप्पणियों से मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अदालत ने नाजिया इलाही खान को 27 जुलाई को कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है।

ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल साउथ को ऊर्जा क्षेत्र के केंद्र में रखेगा भारत: मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि ब्रिक्स (बीआरआईसीएस) की वर्ष 2026 की अध्यक्षता के दौरान भारत ग्लोबल साउथ को सुरक्षित, मजबूत, न्यायसंगत और टिकाऊ वैश्विक ऊर्जा भविष्य के केंद्र में रखने की दिशा में काम करेगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर का एक लेख साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का मानना है कि मजबूत ऊर्जा व्यवस्था केवल प्रभावी घरेलू नीतियों से ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत साझेदारी से भी तैयार होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'ब्रिक्स की वर्ष 2026 की अध्यक्षता संभालने जा रहे भारत की ओर से केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने लेख में बताया है कि भारत सुरक्षित, लचीले, समान और टिकाऊ वैश्विक ऊर्जा भविष्य के केंद्र में ग्लोबल साउथ को रखने का प्रयास करेगा।' उन्होंने कहा कि इस लेख में यह भी बताया गया है कि भारत का विश्वास है कि मजबूत ऊर्जा व्यवस्था के लिए प्रभावी घरेलू नीतियों के साथ-साथ देशों के बीच बेहतर सहयोग भी जरूरी है। अपने लेख में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि दुनिया का ऊर्जा क्षेत्र तेजी से बदल रहा है।ऐसे समय में विकासशील देशों के लिए आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए आपसी सहयोग और नवाचार बेहद महत्वपूर्ण हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान इस साझा सोच को ठोस परिणामों में बदलने का प्रयास करेगा, जिसके तहत ऊर्जा उपलब्धता, स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन, नई तकनीकों और नवाचार जैसे क्षेत्रों में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग को और मजबूत किया जाएगा।

खट्टर ने कहा कि भारत ने बिजली की पहुंच बढ़ाने, गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित बिजली क्षमता में वृद्धि करने और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार में उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने बताया कि भारत अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) लक्ष्य से पहले ही कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल कर चुका है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कोयला गैसीकरण, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार जैसी कई महत्वपूर्ण पहल कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि स्मार्ट मीटर और इंडिया एनर्जी स्टैक जैसी डिजिटल तकनीकें देश के बिजली क्षेत्र को आधुनिक बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

मनोहर लाल खट्टर ने आगे कहा कि ब्रिक्स देशों की अलग-अलग ताकतें एक-दूसरे की पूरक हैं। यदि ये देश मिलकर काम करें तो सुरक्षित, मजबूत और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था विकसित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के माध्यम से ब्रिक्स देश ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने और ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक समाधान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

दिल्ली भाजपा ने 11 संगठनात्मक जिलों के पदाधिकारियों की सूची जारी की

नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून । दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि 11 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों ने अपने-अपने जिलों के लिए पार्टी पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी है। तीन जिलों - बाहरी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और नजफगढ़ - की सूची वर्तमान जिला अध्यक्षों से परामर्श के बाद उचित समय पर घोषित की जाएगी।

मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली इकाई ने पदाधिकारियों की सूची जारी करते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व की महिला सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता के अनुरूप 33 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व किया है और युवाओं को भी पर्याप्त अवसर दिए हैं।

उन्होंने कहा कि हमने अनुसूचित जाति के पदाधिकारियों की नियुक्ति का भी सख्ती से पालन किया है। उन्होंने कहा कि नई संगठनात्मक संरचना दिल्ली की जनता की सेवा में पार्टी संगठन को और अधिक ऊजार्वान बनाएगी। इससे पहले, शुक्रवार को आपातकाल को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए मल्होत्रा ने कहा कि यह अवसर युवा पीढ़ी को उस अंधकारमय दौर की याद दिलाता है जब देश में लोकतंत्र का दमन किया गया था।

ओपी/वीसी पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को जन आंदोलन बनाएः ज्योतिरादित्य सिंधिया

गुना, यूटर्न/ 27 जून । केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आ'ान किया है कि पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को जन आंदोलन बनाएं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया मध्य प्रदेश के गुना संसदीय क्षेत्र से सांसद हैं, और वे शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र के प्रवास पर हैं। इस दौरान उन्होंने गुना जिले के कांजा ग्राम स्थित कूनो नदी उद्गम स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ'ान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत 700 पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन का संरक्षण जनभागीदारी से ही संभव है और प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान देशभर में जनआंदोलन का स्वरूप ले रहा है। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृत्व, प्रकृति और भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी संवेदनशीलता का भी प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने ग्राम चिनेरा में 17.98 लाख की लागत से निर्मित चेक डैम का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि जल संरचनाओं का निर्माण और जल स्त्रोतों का संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और समृद्ध भारत की मजबूत आधारशिला है।

गाजा की स्थिति पर सरकार की चुप्पी हैरान करने वाली है: सोनिया गांधी

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून ।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि गाजा पर हो रहे हमलों के खिलाफ पूरी दुनिया लगातार आवाज उठा रही है, लेकिन भारत सरकार इस मुद्दे पर चुप्पी साधे है, जो हैरान करने वाली है। श्रीमती गांधी के शनिवार को एक अंग्रेजी दैनिक में इस विषय पर प्रकाशित लेख का समर्थन करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की मौजूदा विदेश नीति ने भारत को अपने पारंपरिक सहयोगियों फलस्तीन, ईरान तथा पश्चिम एशिया के देशों से दूर कर दिया है और भारत वैश्विक जनमत से भी अलग-थलग पड़ता जा रहा है। श्री खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि श्रीमती गांधी का लेख मोदी सरकार की चुप्पी और निष्क्रियता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी भाइयों-बहनों, विशेषकर बच्चों, पर हो रहे हमलों के बीच भारत की चुप्पी न तो नैतिक रूप से उचित है और न ही तर्कसंगत। हमारी राष्ट्रीय भावना फलस्तीन के लोगों के साथ खड़े होने की मांग करती है, जबकि राष्ट्रीय हित भी यह अपेक्षा करता है कि भारत गाजा में इजरायली कार्रवाई तथा पश्चिमी तट में लाखों फलस्तीनी परिवारों के विस्थापन के खिलाफ उभर रहे वैश्विक जनमत के अनुरूप स्पष्ट राय रखे।

जरूरतमंदों के इलाज और मकान की व्यवस्था कराएगी सरकार: योगी

» **गोरखपुर, यूटर्न/ 27 जून ।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय भरोसा देते हुए कहा कि जरूरतमंदों के इलाज और मकान की व्यवस्था सरकार कराएगी। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और प्रभावी होना चाहिए। इस अवसर पर सीएम ने लोगों से कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं पर संवेदनशीलता दिखाएं। जनता दर्शन में एक महिला ने सीएम योगी से कहा कि उनके पास रहने के लिए अपना मकान नहीं है।

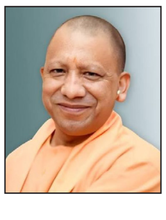

करोड़ों के फ्लैट, फिर भी पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर एम3एम वुडशायर के निवासी

» **न्यू गुरुग्राम, यूटर्न/ 27 जून ।**

सेक्टर-107 स्थित एमउएम वुडशायर सोसाइटी के निवासी पिछले करीब आठ वर्षों से पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। करोड़ों रुपये खर्च कर फ्लैट खरीदने के बावजूद उन्हें नियमित जलापूर्ति नहीं मिल रही है। जीएमडीए की पेयजल पाइपलाइन सोसाइटी तक नहीं पहुंचने के कारण निवासी महंगे पानी के टैंकरों पर निर्भर हैं, जिससे हर महीने लाखों रुपये का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।

सोसाइटी में करीब 5,000 लोग रहते हैं। निवासियों के अनुसार पानी की व्यवस्था के लिए सोसाइटी को हर महीने लगभग 14 लाख रुपये टैंकरों पर खर्च करने पड़ते हैं। इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभागों से शिकायत की गई, लेकिन लंबे समय तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

हाल ही में मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में आरडब्ल्यूए ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। इसके बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर जीएमडीए ने पेयजल पाइपलाइन पर योजना बनाई है। जीएमडीए की ओर से इस कार्य के लिए टेंडर जारी किया जा चुका है और अगले करीब छह महीने में काम पूरा होने की संभावना जताई गई है। हालांकि, निवासियों ने मांग की है कि कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराया जाए। निवासियों का कहना है कि वर्तमान में जलापूर्ति की पाइपलाइन 75 मीटर रोड तक ही उपलब्ध है। वहां से बिल्डर ने सोसाइटी तक एक पतली पाइपलाइन बिछाई थी। शुरूआती वर्षों में कम आबादी होने के कारण उसी से काम चल जाता था, लेकिन जैसे-जैसे निवासियों की संख्या बढ़ी, पानी की कमी होने लगी और टैंकरों पर निर्भरता बढ़ गई।

यह समस्या करीब आठ साल से बनी हुई है। कई बार प्रशासन को शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। हाल में मुख्यमंत्री की बैठक के बाद जीएमडीए ने इस पर काम शुरू करने का फैसला लिया है।

-एडवोकेट चंदन दीप सिंह बम्मी, सचिव

हर महीने लाखों रुपये का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। इसका सीधा आर्थिक बोझ सभी निवासियों पर पड़ रहा है। करीब आठ साल से बनी हुई है समस्या।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे स्टेशन पर लगेंगी तीन नई ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनें

गुरुग्राम, यूटर्न/ 27 जून । गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर अनारक्षित टिकट लेने वाले यात्रियों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने वाली है। स्टेशन पर पुरानी ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) की जगह अब तीन नई आधुनिक मशीनें स्थापित की जाएंगी। नई मशीनें स्टेशन पर पहुंच चुकी हैं और जून माह के अंत तक इन्हें टिकट घर तथा मुख्य प्रवेश द्वार के पास स्थापित कर संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में लगी एटीवीएम काफी पुरानी हो चुकी हैं, जिनमें आए दिन तकनीकी खराबियां आने के कारण यात्रियों को टिकट लेने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। बढ़ती यात्री संख्या और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे ने इन मशीनों को आधुनिक तकनीक वाली नई एटीवीएम से बदलने का निर्णय लिया है।

नई मशीनों के संचालन से अनारक्षित टिकट जारी करने की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज और सुगम होगी। इससे टिकट काउंटरों पर लगने वाली लंबी कतारों में भी कमी आने की उम्मीद है, जिससे यात्रियों का समय बचेगा और उन्हें बेहतर सुविधा मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

फरीदाबाद, यूटर्न/ 27 जून । अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति एवं अवैध मादक पदार्थ तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर सेक्टर-14 स्थित नशा मुक्ति केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम और रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम साप्ताहिक नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के चौथे दिन आयोजित किया गया। रेडक्रॉस सोसाइटी के उप अधीक्षक पुरुषोत्तम सैनी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। नशे की लत से स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक सुख-शांति प्रभावित होती है। उन्होंने लोगों से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आ'ान किया। कार्यक्रम में मरीजों और प्रतिभागियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। नशा मुक्ति केंद्र के प्रोजेक्ट डायरेक्टर धर्मेंद्र कसाना ने सभी को नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में काउंसलर, स्टाफ नर्स, नेहरू कॉलेज के प्रशिक्षणार्थी विद्यार्थियों सहित एसएलसीए और सेक्टर-12 कोर्ट के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बहु-एजेंसी आतंकवाद-रोधी मॉक ड्रिल, सुरक्षा तैयारियों का लिया गया जायजा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून ।**

राष्ट्रीय राजधानी स्थित दिल्ली एयरपोर्ट पर विमानन सुरक्षा को और मजबूत बनाने तथा किसी भी संभावित आतंकवादी खतरे से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के उद्देश्य से एक व्यापक आतंकवाद-रोधी (काउंटर-टेररिस्ट) मॉक एक्सरसाइज आयोजित की गई।

यह अभ्यास बीएसएफ हैंगर, दिल्ली एयरपोर्ट पर किया गया, जिसमें विभिन्न सुरक्षा और आपातकालीन एजेंसियों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया।

इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य पहले से निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल की प्रभावशीलता को परखना, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, वास्तविक समय में संकट प्रबंधन की क्षमता को मजबूत करना और विमानन सुरक्षा से जुड़े उभरते खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए सामूहिक तैयारियों को और सुदृढ़ बनाना था।

अभ्यास के दौरान संभावित आतंकवादी हमले और उससे उत्पन्न आपात स्थिति से निपटने के विभिन्न परिदृश्यों का अभ्यास किया गया। इसमें सुरक्षा बलों की त्वरित प्रतिक्रिया, यात्रियों की सुरक्षा, क्षेत्र की घेराबंदी, संदिग्ध वस्तुओं की जांच, बम निरोधक कार्रवाई तथा आपातकालीन चिकित्सा सहायता जैसी प्रक्रियाओं का परीक्षण किया गया। इस संयुक्त अभ्यास में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), दिल्ली पुलिस, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), बम निरोधक एवं निपटान दस्ते (बीडीडीएस), नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए), दिल्ली अग्निशमन सेवा, चिकित्सा प्रतिनिधियों तथा अन्य संबंधित हितधारकों सहित कुल 183 कर्मियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

राहुल गांधी ने 'छात्रों की गूंज' अभियान को सफल बनाने के लिए कांग्रेस नेताओं से मांगा सहयोग

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून ।**

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी के महासचिवों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्षों, विभाग प्रमुखों, जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) और शहर कांग्रेस अध्यक्षों को पत्र लिखा है। उन्होंने भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) द्वारा चलाए जा रहे 'छात्रों की गूंज' अभियान को सफल बनाने के लिए कांग्रेस संगठन के सभी स्तरों के नेताओं और पदाधिकारियों से सक्रिय सहयोग देने की अपील की है। राहुल गांधी ने अपने पत्र में कहा कि भारत का युवा वर्ग इस समय अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की लगातार घटनाएं, परीक्षाओं का रद्द होना, बार-बार पुनर्परीक्षाएं, सरकारी भर्तियों में लंबी देरी, बड़ी संख्या में रिक्त पद और बढ़ती बेरोजगारी ने युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। इसके साथ ही शिक्षा की लगातार बढ़ती लागत ने विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ा दिया है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में कोटा में आयोजित 'छात्रों की गूंज' रैली के दौरान उन्होंने देश की शिक्षा व्यवस्था पर व्यापक चर्चा की शुरूआत की थी। राहुल गांधी के अनुसार, वर्तमान शिक्षा प्रणाली युवाओं को अवसर देने के बजाय उन पर अत्यधिक मानसिक और आर्थिक दबाव डाल रही है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था कई परिवारों को कर्ज, तनाव और अनिश्चितता के ऐसे चक्र में धकेल रही है, जिससे निकलना कठिन होता जा रहा है।

पत्र में राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य युवाओं को अपनी पसंद का करियर चुनने, कौशल विकसित करने और सुरक्षित भविष्य बनाने में मदद करना होना चाहिए, लेकिन मौजूदा हालात इसके विपरीत दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में छात्रों और युवाओं के सामने मौजूद चुनौतियों और उनके साथ हो रहे कथित उत्पीड़न और शोषण को प्रभावी ढंग से सामने लाने के लिए व्यापक जनजागरण की आवश्यकता है। उन्होंने कांग्रेस संगठन से आ'ान किया कि वह भारतीय युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के इस अभियान को पूरी ताकत के साथ समर्थन दे।

राहुल गांधी ने कहा कि सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं ताकि युवाओं की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाया जा सके। अपने पत्र के अंत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य ऐसी नई व्यवस्था की नींव रखना है, जिसमें देश के युवाओं को बेहतर अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार और आवश्यक सहयोग मिल सके।

तानाशाही वाली कांग्रेस पार्टी को दोबारा सत्ता में नहीं लाएगी जनता : किरेन रिजिजू

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून ।**

संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के एक बयान पर पलटवार किया है। इसके साथ ही कांग्रेस को तानाशाही वाली पार्टी बताया है। किरेन रिजिजू ने पवन खेड़ा का एक पोस्ट 'अगर कांग्रेस सत्ता में आई, तो भाजपा नेता सड़कों पर निकल भी नहीं पाएंगे' शेयर करते हुए लिखा है, 'इसीलिए लोग ऐसी तानाशाही वाली कांग्रेस पार्टी को दोबारा सत्ता में नहीं लाएंगे।

उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी बात कहने की आजादी है, लेकिन कांग्रेस तो सचमुच 24 घंटे पीएम मोदी को बुरा-भला कहती रहती है।' इसके पहले ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के विरोध पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला था। किरेन रिजिजू ने 21 जून को श्री विजयपुरम में 'विकसित भारत' सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था 'अंडमान-निकोबार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक बड़ा विजन है। इसे पूरा करने के लिए हम लोग भी अपने-अपने स्तर पर काम कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि अंडमान-निकोबार बहुत ही आकर्षक जगह है, जहां वन्य जीव और समुद्री जीवन का अपना एक स्थान है, जिसका कोई मुकाबला नहीं कर सकता है। यहां के वातावरण को बनाए रखने के लिए कानून है।

यहां क्लामेट की दृष्टि से संरक्षण और इकोसिस्टम को बर्बाद किए बगैर विकास हो रहा है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट की कल्पना की गई है।

पुलिस और जनता मिलकर गढ़ रहे हैं जनसेवा की नई मिसाल

सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव की प्रेरणा से सेवा अभियान निरंतर जारी

» हरियाणा, यूटर्न/ 27 जून ।

हरियाणा पुलिस का मानवीय, संवेदनशील और सेवाभावी स्वरूप आज समाज के लिए प्रेरणा बनता जा रहा है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ पुलिस सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही है। इसी सकारात्मक सोच का परिणाम है कि पुलिस और विशिष्ट जन के संयुक्त सहयोग से रोटी बैंक के माध्यम से प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों तक भोजन, दूध, रस एवं चाय जैसी आवश्यक सेवाएं निरंतर पहुंचाई जा रही हैं। रोटी बैंक के प्रधान सेवक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि प्रतिदिन प्रातःकाल आयुर्वेदिक अस्पताल, कुरुक्षेत्र में उपचारधीनों एवं उनके परिजनों को दूध, रस और चाय की सेवा दी जाती है। इसके उपरांत लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल, ईंट-भट्टों तथा झुग्गी-बस्तियों में जरूरतमंद लोगों को पौष्टिक भोजन वितरित किया जाता है। डॉ. वर्मा ने कहा कि इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि हरियाणा पुलिस और विशिष्ट जन मिलकर मानव सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। पुलिस के इस सेवा अभियान से प्रतिदिन नए-नए समाजसेवी, युवा, व्यापारी और सामाजिक संगठन जुड़ रहे हैं। इससे समाज में पुलिस के प्रति विश्वास, आत्मीयता और सहयोग की भावना निरंतर मजबूत हो रही है तथा यह संदेश जा रहा है कि पुलिस केवल सुरक्षा का ही नहीं, बल्कि समाज सेवा का भी सशक्त माध्यम है। डॉ. वर्मा ने बताया कि इस जनसेवा अभियान का मूल श्रेय हरियाणा पुलिस के सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव की दूरदर्शी सोच, प्रेरणा और मार्गदर्शन को जाता है। उनकी परिकल्पना के अनुरूप पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और समाज के प्रबुद्ध नागरिकों ने मिलकर सेवा का ऐसा मॉडल विकसित किया है, जो आज मानवता, सामाजिक समरसता और जनसहभागिता का प्रेरणास्रोत बन चुका है। डॉ. वर्मा ने कहा कि जब पुलिस और जनता एक परिवार की तरह मिलकर कार्य करती है, तब समाज में भाईचारा, विश्वास और सहयोग की भावना स्वतः विकसित होती है। रोटी बैंक का यह अभियान केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि नशामुक्ति, सामाजिक जागरूकता, मानव सेवा और जनकल्याण का व्यापक संदेश भी दे रहा है। यह पहल हरियाणा पुलिस की सकारात्मक, संवेदनशील और जनसेवा के प्रति समर्पित कार्यशैली का सशक्त उदाहरण है। इस अवसर पर रोटी बैंक के महासचिव कर्मचंद, सचिव नरेंद्र मेहता, अंकेक्षक डॉ. मीत मोहन सिंह, चंद्र शेखर अत्रे, अक्षय वर्मा और सुषमा वर्मा ने सेवा कार्य में सहभागिता की।

संत कबीर जयंती पर ढाणी गारण (हंसनगर) में कार्यक्रम आयोजित

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 27 जून । हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने शनिवार को संत शिरोमणि कबीर दास जी की जयंती के उपलक्ष में ढाणी गारण(हंसनगर) में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।इस दौरान उन्होंने बीसी चौपाल में 11 लाख रुपए की लागत से बने नव-निर्मित शेड तथा बीसी चौपाल में नवनिर्मित हॉल का विधिवत लोकार्पण कर ग्रामीणों को समर्पित किया।

अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने संत शिरोमणि कबीर के जीवन एवं उनके संदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके विचार सामाजिक समरसता, समानता और मानवता की प्रेरणा देते हैं।उन्होंने कहा कि संत महापुरुष किसी एक समाज या जाति के नहीं होते वे सर्व समाज के होते हैं। उनकी जयंतियां मनाया जाना तभी सार्थक होगा जब हम गुरु महाराज की शिक्षाओं पर भी चले। नशे जैसी बुराइयों से अपने युवाओं को बचाएं और उन्हें अच्छी शिक्षा दिलाकर उन्हें काबिल बनाए। हरियाणा सरकार सरकारी स्तर पर महापुरुषों की जयंतियां मना रही है, इसका यही कारण है कि समाज के युवा महापुरुषों के बताए रास्ते पर चले। कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा ने कहा कि बरवाला विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।ढाणी गारण में अच्छी सड़के बनवाई गई है। इसके अलावा सीवरेज लाइन भी मंजूर कर दी गई है। जल्द ही क्षेत्र में एसटीपी बनाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने चौपाल के लंबित कार्यों को भी पूरा करवाने की घोषणा की।उन्होंने बताया कि पास के गांव ढाणी खान बहादुर में एक अलग से जल घर को भी मंजूर कर दिया गया है। इससे क्षेत्र में जलापूर्ति की व्यवस्था में सुधार होगा।

ऐतिहासिक रूप से सफल रहा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का दौरा व स्वागत कार्यक्रम : आशा खेदड़

सफल कार्यक्रम के लिए जिला अध्यक्ष ने कार्यकताओं को दी बधाई-

» हरियाणा, यूटर्न/ 27 जून ।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के हिसार आगमन पर हुए स्वागत कार्यक्रम को सफल बताया है। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए पदाधिकारियों, कार्यकताओं व नागरिकों को बधाई देते हुए उनका आभार जताया है। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हिसार में पहली बार पहुंचने पर डॉ. अर्चना गुप्ता का जगह-जगह पर स्वागत हुआ। पदाधिकारियों व कार्यकताओं के अलावा आम नागरिकों ने भी उनका जोरदार स्वागत किया, जो भाजपा के प्रति सहयोग व श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने अग्रसेन भवन में आयोजित भव्य स्वागत एवं कार्यक्रम को सफल व ऐतिहासिक बताते हुए सभी कार्यकताओं, पदाधिकारियों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी।

डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में कार्यकताओं ने जिस उत्साह, अनुशासन और समर्पण का परिचय दिया, वह संगठन की मजबूती और कार्यकताओं की निष्ठा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकताओं के सामूहिक प्रयासों से कार्यक्रम ऐतिहासिक एवं सफल रहा।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और इसी समर्पण एवं एकजुटता के बल पर पार्टी निरंतर जनसेवा और संगठन विस्तार के कार्यों में आगे बढ़ रही है। उन्होंने भविष्य में भी इसी ऊर्जा और समर्पण के साथ संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आ'ान किया। जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपरा ने बताया की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का हिसार शहर में अनेक स्थानों पर भव्य स्वागत हुआ। उन्होंने आयोजन की सफलता में सहयोग देने पर जनप्रतिनिधियों, समर्थकों एवं मीडिया का आभार व्यक्त किया है।

'सद्गुरु कबीर की वाणी मानवता, समरसता और शिक्षा का अमर संदेश है : महंत सूंदर दास साहेब

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत , यु-टर्न 27 जून। सद्गुरु कबीर जन सेवा समिति (रजि.) पानीपत द्वारा सद्गुरु कबीर साहेब के 628वें प्रकट दिवस के पावन अवसर पर 42वें सत्संग एवं संत समागम समारोह का आयोजन सद्गुरु कबीर आश्रम, 68 ग्रीन पार्क, तहसील कैंप, पानीपत में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

समारोह का आयोजन आचार्य कबीर पंथ के परम पूज्य वंशाचार्य सद्गुरु पंथ श्री हजूर उदित मुनिनाम साहेब जी के पावन आशीर्वाद तथा परम पूज्य महंत माधव दास जी साहेब की असीम कृपा से हुआ। समारोह की अध्यक्षता महंत सुंदर दास जी साहेब (करावल नगर, दिल्ली) ने की। अपने प्रेरणादायी प्रवचन में महंत सुंदर दास जी साहेब ने कहा कि सद्गुरु कबीर साहेब ने सत्य, प्रेम, सेवा, सद्भाव और मानवता का जो मार्ग दिखाया, वही आज के समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कबीर साहेब की वाणी केवल आध्यात्मिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानव कल्याण का भी संदेश देती है। उन्होंने सभी से जाति, पंथ और ऊँच-नीच के भेदभाव को त्यागकर मानव धर्म अपनाने का आ'ान किया।महंत बिरंदास जी साहेब (किरठल एवं हरिद्वार) ने कहा कि सद्गुरु कबीर साहेब ने सम्पूर्ण मानव समाज को एकता और भाईचारे का संदेश दिया। हमें आडंबर छोड़कर सच्ची भक्ति और सेवा का मार्ग अपनाना चाहिए। महंत डॉ. नीरज स्वामी जी (रोहिणी, दिल्ली) ने अपने सम्बोधन में कहा कि कबीर साहेब की वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी सदियों पहले थी। उनका ज्ञान युवाओं को चरित्रवान, जागरूक और संस्कारित जीवन जीने की प्रेरणा देता है

समिति के उपाध्यक्ष व समाजसेवा वरिष्ठ काग्रेस नेता डॉ. ओमवीर सिंह पंवार ने अपने संबोधन में कहा कि सद्गुरु कबीर साहेब की विचारधारा आज भी समाज को नई दिशा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार और सामाजिक एकता किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं। इसी उद्देश्य से समारोह में 10वी व 12वी में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले समाज के 12 होनहार मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन राशि एवं सम्मान देकर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि कबीर साहेब का संदेश हमें अंधविश्वास, नशे, सामाजिक बुराइयों और भेदभाव से दूर रहकर राष्ट्र एवं समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की प्रेरणा देता है। समारोह में हरियाणा सरकार के वरिष्ठ सचिव, खाद्य आपूर्ति विभाग, चंडीगढ़ श्री शिव कुमार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महंत बिरंदास साहेब (किरठल एवं हरिद्वार), महंत ओम प्रकाश साहेब (तावडू), महंत डॉ. नीरज स्वामी (रोहिणी, दिल्ली), महंत गंगादास साहेब (तितरवाड़ा) तथा महंत देव नारायण साहेब (कुरुक्षेत्र), महंत लग्न साहेब (दिल्ली) महंत भारती साहेब (कुरुक्षेत्र) , स्वामी कैलाश झा पंचकूला ने अपने सम्बोधन में कबीर साहेब के वाणी वचनों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में संत दिनेश दास, संत दर्शन दास, कदमदास, सहित काफी संख्या में संत-महात्माओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की शुरूआत उपस्थित मंहतो व समिति पदाधिकरियों के साथ अथिति शिव कुमार जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया ।

असुरक्षा के घेरे में सुरक्षा के पहरेदार

गाजियाबाद। दिल्ली और लखनऊ में हाल में हुए अग्निकांडों के बाद सरकारी तंत्र कोचिंग सेंटर, होटल, अस्पताल और औद्योगिक इकाइयों में अग्नि सुरक्षा मानकों की पड़ताल में जुटा है। नियमों के पालन में हीलाहवाली पर नोटिस और सीलिंग की कार्रवाई भी की जा रही है। इस काम में पुलिस विभाग भी बराबर हाथ बंटा रहा है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि सुरक्षा के ये पहरेदार खुद असुरक्षा के घेरे में हैं। शहर के कई पुलिस थानों में आग से बचाव के बुनियादी संसाधन तक उपलब्ध नहीं हैं। कई भवनों में फायर एक्सटिंग्विशर, फायर अलार्म, हाईड्रेंट सिस्टम और फायर स्प्रिंकलर जैसी व्यवस्थाएं नहीं हैं। कुछ स्थानों पर रेत से भरी बाल्टियां तक नहीं दिखाई देतीं।

बिना बुलाए सती पहुंची अपने पिता दक्ष के यज्ञ मे राजेंदर पराशर

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 27 जून । श्री स्थाणु सेवा मण्डल के सहयोग से महंत प्रभात पुरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मे शिव महापुराण कथा के पांचवे दिन पर व्यास पीठ पर विराजमान कथा वाचक पंडित राजेंदर पराशर आज बताया की जब राजा दक्ष ने शिव विहीन यज्ञ करने का निर्णय लिया और शिव व माता सती को यज्ञ मे नहीं बुलाया गया लेकिन सती फिर भी अपने पिता के यज्ञ मे जाने लगी तब शिव ने कहा हे सती बिना बुलाये कही भी नहीं जाना चाहिए ! आवत हिये हर्षिय नहीं, नैन्न नहीं स्नेह, तुलसी वंहा ना जाइये, कंचन बारशे मेह !

परन्तु सती फिर भी यज्ञ मे गई ! वहां उसके पिता ने उसका अपमान किया तेरा यंहा क्या काम तु यंहा बिना बुलाये क्यों आई ! सती अपना अपमान सह कर कुछ नहीं बोली परन्तु जब उसने देखा सभी देवताओं के आशन है परन्तु उसके पति शिव का आशन वंहा नहीं था इससे माता सती क्रोधित हो गई ! जब से कथा शुरू हुई तब से संतो का आगमन चल रहा है कथा स्थल हो और संतो का आगमन हो तो सोने पर सुहागा होता है ! आज श्री महंत बंशी पुरी महाराज, महामंडलश्वर विधा गिरी महाराज, महंत लक्ष्मीनारायण पुरी महाराज व अन्य संतो ने कथा स्थल पर पहुंच कर भगतो को आशीर्वाद दिया ! श्री महंत बंशी पुरी महाराज ने अपने सम्बोधन मे कहा शिवजी के शरण आने पर एक दूसरे के शत्रु भी मित्रवत रहते है जैसे शेर, बैल, सांप, चूहा, मोर, जो की एक दूसरे के शत्रु है परन्तु उनके सानिध्य मे मित्रवत रहते है महामंडलेश्वर स्वामी विद्या गिरी महाराज न कहा शिव बाबा बड़े भोले है अगर किसी के पास कुछ भी नहीं है तो केवल उनके पास जा कर 'हे बाबा मेरे पास देने के लिए कुछ भी नहीं है मै माँ गंगोत्री से जल ला कर चढ़ा दूंगा ' कह देने से भी बाबा प्रशन्न हो जाते है ! आज के मुख्य अतिथि किसी परिचय की मोहताज नहीं शालिनी शर्मा, राज कुमारी शर्मा, व एडवोकेट आलोक शर्मा रहे ! आज का प्रशाद अशोक आश्री परिवार ने दिया !कथा मे सतीश शर्मा, सुनील सचदेवा, रमेश सचदेवा, अनिल पोपली, प्रवीण गुप्ता नानक चंद गल्होत्रा, सोहन लाल सैनी, अशोक आश्री, महिला मानस प्रचार मण्डल सदस्य व महंत प्रभात पुरी स्कूल के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे !

हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन डॉ रविन्द्र सिहं बलियाला ने एनएफएल में जनसमस्याएं सुनी

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 27 जून । हरियाणा अनुसूचित जाति के चेयरमैन डॉ रविन्द्र सिहं बलियाला ने नेशनल फटीर्लाई लिमिटेड पानीपत के गेस्ट हाउस में पहुंच कर लोगों की जनसमस्याएं सुनी। एनएफएल गेस्ट हाउस में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग डा रविन्द्र सिहं बलियाला ने शिरकत की। कार्यक्रम उपस्थित में गणमान्य व्यक्तियों व पदाधिकारियों ने आए हुए मेहमान को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्लोबल 'ूमन राइट्स बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित कुमार ने की।

ग्लोबल हामून राइट्स बोर्ड की समस्त कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर पुलिस उपाधीक्षक आत्माराम , मेडिकल सुपरीडेंट डॉ अमित पोरिया , सीनियर कानूनगो अशोक कुमार , मोनू मालिक , वरिष्ठ ओढ़ राजपूत समाज के वरिष्ठ नेता संत लाल मजोका ने साथियों के साथ मिलकर एनएफएल अनुसूचित जाति कर्मचारी यूनियन के प्रधान हरविंद्र सिंह सोनू और ग्लोबल 'ूमन राइट्स बोर्ड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय सचिव आचार्य शिव शक्ति, श्री विजय कुमार और युवा प्रदेश सचिव सुनील कुमार , प्रवीण अरोड़ा यमुनानगर से रिटायर्ड जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यबीर सिंह के साथ मिलकर चेयरमैन का गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया।

बैठक में मानवाधिकारों के संरक्षण को लेकर आपसी विचारों का आदान-प्रदान किया।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

पद्म श्री सम्मान और राजनीतिक गणित

संदीप शर्मा

केंद्र सरकार ने डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख संत निरंजन दास को पद्म श्री देने का फैसला किया है। इससे पंजाब की राजनीति की एक पुरानी सच्चाई फिर से चर्चा में आ गई है: डेरों का बहुत ज्यादा असर। 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक पार्टियों की जोरदार तैयारी शुरू होने से कुछ महीने पहले मिले इस सम्मान को, सरकार की मंशा चाहे जो भी हो, राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है। इसमें कोई शक नहीं कि संत निरंजन दास और डेरा सचखंड बल्लान ने रविदासिया समुदाय के सामाजिक-धार्मिक जीवन में, खासकर दोआबा इलाके में, अहम भूमिका निभाई है। यह डेरा लंबे समय से सिर्फ.एक आध्यात्मिक संस्थान से कहीं ज्यादा रहा है। लाखों अनुयायियों के लिए यह पहचान, सामाजिक सशक्तिकरण और समुदाय की एकता का जरिया है। नागरिक सम्मानों के जरिए ऐसे योगदान को पहचान देना न तो अजीब है और न ही गलत। फिर भी, पंजाब में, जहाँ धर्म और राजनीति का इतिहास में जटिल तरीके से मेल रहा है, ऐसे फैसले शायद ही कभी सिर्फ.सामाजिक पहचान तक सीमित रहते हैं। डेरा सचखंड बल्लान के राजनीतिक महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। डेरे का वोटरों पर काफी असर है; ये वोटर पंजाब की आबादी का लगभग एक-तिहाई हिस्सा हैं और दोआबा इलाके में इनकी काफी बड़ी संख्या है। इसलिए, अलग-अलग विचारधारा वाली राजनीतिक पार्टियों का इस संस्थान से करीबी संबंध बनाने की कोशिश करना कोई हैरानी की बात नहीं है। इस कोशिश में बीजेपी अकेली नहीं है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और शिरोमणि अकाली दल, सभी ने अलग-अलग समय पर चुनावी फायदा पाने की उम्मीद में अलग-अलग डेरों को लुभाने की कोशिश की है। वरिष्ठ नेताओं का डेरों का दौरा करना, खासकर चुनावों से पहले, पंजाब की राजनीति का एक रिवाज बन गया है। संदेश साफ है: कोई भी गंभीर राजनीतिक खिलाड़ी प्रभाव के इन केंद्रों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। हालाँकि, बड़ा सवाल यह है कि आध्यात्मिक संस्थानों पर यह लगातार निर्भरता लोकतांत्रिक राजनीति को मजबूत करती है या कमजोर। पंजाब आज एक अहम मोड़ पर खड़ा है। राज्य कई संकटों का सामना कर रहा है, खेती-किसानी की मुश्किलों, बढ़ते कर्ज, तेजी से बढ़ती बेरोजगारी, ड्रग्स की समस्या और बेहतर मौकों की तलाश में युवाओं का बड़ी संख्या में विदेश जाना। इन मुद्दों पर गंभीर राजनीतिक चर्चा और नई नीतियों की जरूरत है। अफसोस की बात है कि राज्य में चुनावी चर्चा अक्सर प्रतीकों, पहचान के गणित और धार्मिक या सामाजिक-आध्यात्मिक नेताओं से समर्थन पाने की कोशिशों के साये में दब जाती है। साथ ही, सिर्फ.डेरों की आलोचना करना सही नहीं होगा। उनका असर कई मायनों में मुख्यधारा की राजनीतिक और सामाजिक संस्थाओं की नाकामी का नतीजा है। कई डेरे उन समुदायों के लिए सम्मान और सशक्तिकरण की जगह के तौर पर उभरे, जो पारंपरिक सामाजिक ढांचे में खुद को हाशिए पर महसूस करते थे। जहाँ सरकार नाकाम रही, वहाँ अक्सर डेरों ने आगे बढ़कर शिक्षा, समाज कल्याण और अपनापन महसूस कराने जैसी सुविधाएँ दीं हैं। यही वजह है कि उनका असर आज भी बना हुआ है। पंजाब के नेताओं के सामने चुनौती डेरों की भूमिका को कम करने की नहीं, बल्कि यह पक्का करने की है कि लोकतांत्रिक राजनीति उन पर बहुत ज्यादा निर्भर न हो जाए। संत निरंजन दास को पद्म श्री मिलना समाज सेवा के लिए एक सही सम्मान है। लेकिन एक स्वस्थ लोकतंत्र वही है जिसमें वोटर मुख्य रूप से कामकाज, परफॉर्मेंस और जन-नीतियों के आधार पर अपना फैसला करते हैं। पंजाब का भविष्य सिर्फ.डेरों से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि वहाँ का राजनीतिक नेतृत्व लोगों की उम्मीदों को कितना पूरा कर पाता है।

चिंतन-मनन: आशा निराशा

एक मछुआरा था । उस दिन सुबह से शाम तक नदी में जाल डालकर मछलियाँ पकड़ने की कोशिश करता रहा , लेकिन एक भी मछली जाल में न फँसी। जैसे -जैसे सूरज डूबने लगा, उसकी निराशा गहरी होती गयी । भगवान का नाम लेकर उसने एक बार और जाल डाला । पर इस बार भी वह असफल रहा। पर एक वजनी पोटली उसके जाल में अटकी । मछुआरे ने पोटली निकला और टटोला तो झुंझला गया और बोला - हाय ये तो पत्थर है ! फिर मन मारकर वह नाव में चढ़ा। बहुत निराशा के साथ कुछ सोचते हुए वह अपने नाव को आगे बढ़ाता जा रहा था और मन में आगे के योजनाओं के बारे में सोचता चला जा रहा था । सोच रहा था कल दुसरे किनारे पर जाल डालूँगा। सबसे छिपकर ...उधर कोई नही जाता ....वहां बहुत सारी मछलियाँ पकड़ी जा सकती है ... । मन चंचल था तो फिर हाथ कैसे स्थिर रहता ? वह एक हाथ से उस पोटली के पत्थर को एक -एक करके नदी में फेंकता जा रहा था । पोटली खाली हो गयी । जब एक पत्थर बचा था तो अनायास ही उसकी नजर उसपर गयी तो वह स्तब्ध रह गया । उसे अपने आँखों पर यकीन नही हो रहा था , यह क्या ! ये तो नीलम था । मछुआरे के पास अब पछताने के अलावा कुछ नही बचा था . नदी के बीचोबीच अपनी नाव में बैठा वह सिर्फ अब अपने को कोस रहा था । प्रकृति और प्रारब्ध ऐसे ही न जाने कितने नीलम हमारी झोली में डालता रहता है जिन्हें पत्थर समझ हम ठुकरा देते हैं।

बदलते मौसम का बढ़ता जोखिम

आकाशीय बिजली उन प्राकृतिक घटनाओं में से एक है जो हर वर्ष हजारों लोगों को प्रभावित करती है। भारत में बिजली गिरने से होने वाली मौतों की संख्या कई अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तुलना में अधिक रहती है। विशेष चिंता का विषय यह है कि अधिकांश पीड़ित ग्रामीण क्षेत्रों से होते हैं, जहाँ बड़ी संख्या में लोग खुले वातावरण में काम करते हैं। किसान, खेतिहर मजदूर, पशुपालक और निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक मौसम के इन खतरों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में मानसून केवल एक ऋतु नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, कृषि, जल-संसाधनों और जनजीवन की धुरी है। सदियों से मानसून को जीवनदायी माना जाता रहा है क्योंकि इसकी वर्षा खेतों को हरियाली देती है, नदियों और जलाशयों को भरती है तथा भीषण गर्मी से राहत प्रदान करती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मानसून का स्वरूप तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। अब यह केवल राहत लेकर नहीं आता, बल्कि अपने साथ अनेक प्रकार के जोखिम भी लेकर आता है। कहीं अचानक बादल फटने की घटनाएँ होती हैं, कहीं तेज हवाओं और गरज-चमक वाले तूफानों से जनजीवन प्रभावित होता है, तो कहीं आकाशीय बिजली लोगों की जान ले लेती है। बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के दौर में मानसून से जुड़े खतरे पहले की तुलना में अधिक गंभीर और व्यापक हो गए हैं। यही कारण है कि मौसम संबंधी जोखिम आज केवल वैज्ञानिक अध्ययन का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय चिंता का प्रश्न भी बन चुके हैं।

वर्तमान समय में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि मौसम की पारंपरिक प्रकृति में परिवर्तन आ रहा है। पहले जहाँ वर्षा अपेक्षाकृत नियमित और संतुलित होती थी, वहीं अब लंबे समय तक सूखा रहने के बाद अचानक अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इसी प्रकार गरज-चमक वाले तूफानों और आकाशीय बिजली की घटनाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान ने वायुमंडल की संरचना और व्यवहार को प्रभावित किया है। वातावरण में अधिक ऊर्जा और अधिक नमी उपलब्ध होने के कारण मौसमीय घटनाएँ अधिक तीव्र और अनिश्चित हो रही हैं। इसका सीधा असर मानव जीवन, कृषि, बुनियादी ढाँचे और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है।

आकाशीय बिजली उन प्राकृतिक घटनाओं में से एक है जो हर वर्ष हजारों लोगों को प्रभावित करती है। भारत में बिजली गिरने से होने वाली मौतों की संख्या कई अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तुलना में अधिक रहती है। विशेष चिंता का विषय यह है कि अधिकांश पीड़ित ग्रामीण क्षेत्रों से होते हैं, जहाँ बड़ी संख्या में लोग खुले वातावरण में काम करते हैं। किसान, खेतिहर मजदूर, पशुपालक और निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक मौसम के इन खतरों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। जब अचानक बादल घिरते हैं और गरज-चमक शुरू होती है, तब कई लोग खतरे की गंभीरता को नहीं समझ पाते और खुले स्थानों पर ही बने रहते हैं। परिणामस्वरूप आकाशीय बिजली की चपेट में आकर अनेक लोगों की जान चली जाती है।

वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो आकाशीय बिजली का निर्माण वायुमंडल में होने वाली जटिल प्रक्रियाओं का परिणाम है। जब धरातल अत्यधिक गर्म हो जाता है और उसके ऊपर की परतों में अपेक्षाकृत ठंडी हवा मौजूद रहती है, तब गर्म और नम हवा तेजी से ऊपर उठने लगती है। यह प्रक्रिया संवहन कहलाती है। ऊपर उठती हुई हवा ठंडी होकर संघनित होती है और बादलों का निर्माण करती है। यदि वातावरण में पर्याप्त नमी और ऊर्जा मौजूद हो, तो ये बादल विशाल क्यूम्यलोनिम्बस बादलों का रूप ले लेते हैं। इन्हीं बादलों में पानी की बूंदों, बर्फ के कणों और ओलों के बीच होने वाली टक्करों से विद्युत आवेश उत्पन्न होते हैं। जब आवेशों का असंतुलन अत्यधिक बढ़ जाता है, तब बिजली चमकती है और धरती तथा बादलों के बीच विद्युत निर्वहन होता है।

मानसून के दौरान समुद्रों से आने वाली नम हवाएँ भारतीय उपमहाद्वीप के अधिकांश हिस्सों में पहुँचती हैं। ये हवाएँ बड़ी मात्रा में जलवाष्प लेकर आती हैं, जो बादलों के निर्माण और वर्षा के लिए आवश्यक होती है। लेकिन यही नमी जब अत्यधिक गर्म वातावरण से मिलती है, तो शक्तिशाली तूफानों का निर्माण भी कर सकती है। नमी और तापमान का यह संयोजन मौसमीय अस्थिरता को बढ़ाता है। यही कारण है कि मानसून के महीनों में गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएँ अधिक होती हैं। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे वायुमंडल अधिक नमी धारण करेगा और इस प्रकार की घटनाओं की संभावना भी बढ़ती जाएगी।

जलवायु परिवर्तन इस पूरे परिदृश्य का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। औद्योगीकरण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और अनियंत्रित शहरीकरण ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा दी है। इसके परिणामस्वरूप पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। तापमान में यह वृद्धि केवल गर्मी बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे मौसम तंत्र को प्रभावित कर रही है। गर्म वातावरण अधिक नमी धारण करता है, जिससे तीव्र वर्षा और गरज-चमक वाले तूफानों की संभावना बढ़ जाती है।

आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में नागरिकता को लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय बहस तेज हो गई है। विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि पासपोर्ट अपने-आप में नागरिकता का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं है, विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार का कहना है कि नागरिकता का निर्धारण केवल किसी एक दस्तावेज से नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के समग्र परीक्षण के आधार पर होता है। यह विवाद केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिकों के भरोसे से भी जुड़ा है। आम नागरिक का सबसे बड़ा सवाल यही है—यदि आधार, वोटर आईडी, पैन कार्ड और यहां तक कि पासपोर्ट भी अंतिम प्रमाण नहीं हैं, तो आखिर भारतीय नागरिकता सिद्ध कैसे होगी? लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति नागरिक का विश्वास होता है। यदि नागरिक को अपने ही अधिकारों के प्रमाण को लेकर असमंजस रहे, तो यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इसलिए समय की मांग है कि नागरिकता प्रमाणन की प्रक्रिया स्पष्ट, सर्वसुलभ और विवाद-मुक्त बनाई जाए, ताकि किसी भी भारतीय को अपनी नागरिकता साबित करने के प्रश्न पर अनिश्चितता का सामना न करना पड़े।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पहचान और नागरिकता एक जैसी नहीं हैं। आधार कार्ड आपकी पहचान और निवास का प्रमाण है। वोटर आईडी मतदान के अधिकार का प्रमाण है। पैन कार्ड आयकर संबंधी पहचान है। ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने की अनुमति देता है। पासपोर्ट विदेश यात्रा और अंतरराष्ट्रीय पहचान का दस्तावेज है। लेकिन इनमें से कोई भी दस्तावेज अकेले नागरिकता का अंतिम कानूनी प्रमाण नहीं माना जाता।

आखिर नागरिकता कैसे तय होती है? भारत में नागरिकता का आधार नागरिकता अधिनियम, 1955 है। इस कानून के अनुसार नागरिकता प्राप्त करने के प्रमुख आधार हैं—जन्म के आधार पर, वंश के आधार पर, पंजीकरण द्वारा, प्राकृतिककरण द्वारा, किसी क्षेत्र के भारत में विलय के आधार पर। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता पर प्रश्न उठता है तो संबंधित प्राधिकारी उपलब्ध दस्तावेजों, जन्म संबंधी अभिलेखों, माता-पिता की नागरिकता, सरकारी रिकॉर्ड तथा अन्य कानूनी साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करता है। कोई एक दस्तावेज हर परिस्थिति में निर्णायक नहीं होता।

हाल के वर्षों में जन्म प्रमाण पत्र को सबसे महत्वपूर्ण आधार दस्तावेजों में माना जाने लगा है, क्योंकि इससे जन्म तिथि और जन्म स्थान दोनों का रिकॉर्ड उपलब्ध होता है। लेकिन जिन लोगों का जन्म दशकों पहले हुआ और जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, उनके लिए स्कूल प्रमाणपत्र, भूमि अभिलेख, पारिवारिक रिकॉर्ड, सरकारी सेवा अभिलेख तथा अन्य आधिकारिक दस्तावेज भी परिस्थितियों के अनुसार महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकते हैं। विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद विपक्ष ने प्रश्न उठाया कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो आम नागरिक किस दस्तावेज पर भरोसा करे। दूसरी ओर सत्तापक्ष का तर्क है कि दुनिया के अनेक देशों में भी पासपोर्ट नागरिकता निर्धारण का एकमात्र कानूनी आधार नहीं होता और विवाद की स्थिति में मूल नागरिकता रिकॉर्ड ही निर्णायक होते हैं। यह बहस संसद से लेकर राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों तक फैल चुकी है।

इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी वजह यह है कि भारत में आज तक ऐसा कोई एकल राष्ट्रीय नागरिकता प्रमाण-पत्र नहीं है जिसे हर स्थिति में अंतिम माना जाए। परिणामस्वरूप लोग आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों को ही नागरिकता का प्रमाण समझ लेते हैं, जबकि कानून की दृष्टि से इनकी भूमिका अलग-अलग है।

लोकतंत्र में केवल कानून होना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसका स्पष्ट और सरल संप्रेषण भी आवश्यक है। यदि नागरिकों में यह भ्रम बना रहे कि कौन-सा दस्तावेज वैध है और कौन-सा नहीं, तो इससे अनावश्यक भय और अफवाहें फैल सकती हैं।

सरकार को चाहिए कि नागरिकता प्रमाणन संबंधी एक स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करे, जिसमें बताया जाए कि विभिन्न परिस्थितियों में कौन-कौन से दस्तावेज स्वीकार्य होंगे। इससे प्रशासनिक विवाद भी कम होंगे और नागरिकों का विश्वास भी बढ़ेगा। हर नागरिक को अपने जन्म, शिक्षा, परिवार और संपत्ति से जुड़े मूल सरकारी दस्तावेज सुरक्षित रखने चाहिए। दस्तावेजों का डिजिटलीकरण और समय-समय पर उनका अद्यतन कराना भी आवश्यक है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

पीयूष गोयल ने भारत के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम और विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद अपार अवसरों पर डाला प्रकाश

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून ।**

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि उन्होंने एशिया हाउस और दुनिया की प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उपयोगी गोलमेज बैठक की, जिसमें आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने और भविष्य के अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बैठक के दौरान भारत के मजबूत विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) इकोसिस्टम और विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद अपार अवसरों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) दोनों देशों की साझेदारी को और मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

पीयूष गोयल ने यूके-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूकेआईबीसी) के सदस्यों के साथ एक इंटरैक्टिव लंच बैठक भी की, जिसमें उन्होंने भारत-यूके आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए दुनिया की प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों (सी-सूट प्रतिनिधियों) के साथ चर्चा की।

उन्होंने आगे कहा, 'चर्चा का मुख्य उद्देश्य नए अवसरों को खोलना, निवेश में तेजी लाना और साझा विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और मजबूत करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करना रहा।'

वाणिज्य मंत्री ने लंदन बिजनेस स्कूल में फैकल्टी, छात्रों, पूर्व छात्रों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को भी संबोधित किया। इसके अलावा, उन्होंने वहां एक विशेष संवाद (फायरसाइड चैट) में भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के संबंधों को मजबूत बनाने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। छात्र, पेशेवर और उद्यमी दोनों देशों के बीच सहयोग, नवाचार और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने में अहम योगदान दे सकते हैं।

जुलाई में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक, जाने से पहले चेक करें छुट्टियों की लिस्ट

मुंबई, यूटर्न/ 27 जून । अगले महीने जुलाई में बैंक जाने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अवकाश कैलेंडर के अनुसार, जुलाई में देशभर में बैंक कुल 12 दिन बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में साप्ताहिक अवकाश के साथ-साथ कई राज्यों में स्थानीय त्योहार और विशेष अवसर भी शामिल हैं। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे ब्रांच जाने से पहले अपने शहर की छुट्टियों की सूची अवश्य जांच लें ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके। जुलाई में बैंक 5, 12, 19 और 26 तारीख को रविवार के कारण बंद रहेंगे। इसके अतिरिक्त, 11 जुलाई को दूसरा शनिवार और 25 जुलाई को चौथा शनिवार होने के कारण भी बैंकों में अवकाश रहेगा। इन छह साप्ताहिक छुट्टियों के अलावा, कई राज्यों में स्थानीय पर्वों पर भी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इनमें 6 जुलाई को मुहर्रम (आशूरा), 9 जुलाई को मेघालय में बेह डिंखलाम, 16 जुलाई को ओडिशा और मणिपुर में रथ यात्रा, 17 जुलाई को मेघालय में यू तिरोत सिंह की पुण्यतिथि और 22 जुलाई को त्रिपुरा में खारची पूजा शामिल है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सभी छुट्टियां पूरे देश में एक समान रूप से लागू नहीं होंगी। कुछ छुट्टियां केवल संबंधित राज्यों तक सीमित रहेंगी।

निसान टेक्टन एसयूवी अब बिल्कुल नए अवतार में

नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून । कार निमार्ता कंपनी निसान आगामी 9 जुलाई को अपनी नई मिडसाइज एसयूवी, निसान टेक्टन का आधिकारिक पदार्फाश करने जा रही है। किक्स एसयूवी को बंद करने के बाद, टेक्टन के जरिए निसान भारत के सबसे प्रतिस्पर्धी एसयूवी सेगमेंट में फिर से कदम रखेगी, जो कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी द्वारा जारी नए टीजर में टेक्टन का दमदार और आकर्षक बेबी पेट्रोल जैसा डिजाइन देखने को मिला है। इसमें एक फुल-विड्थ इल्यूमिनेटेड रेड लाइट बार, कनेक्टेड एलईडी हेडलाइट्स और टेललाइट्स, साथ ही बोनट और टेलगेट पर बड़े आकार में टेक्टन बैजिंग दी गई है। टेललैंप्स में दिया गया सी-शेप एलईडी सिग्नेचर निसान की फ्लैगशिप पेट्रोल एसयूवी से प्रेरित है। इसका बॉक्सी स्टांस और मजबूत बॉडी क्लैडिंग इसे एक प्रभावशाली ऑफ-रोडिंग लुक प्रदान करती है। टेक्टन का इंटीरियर भी प्रीमियम फीचर्स से लैस होगा, जिसमें पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और गूगल बिल्ट-इन तकनीक सपोर्ट करने वाला 10.1 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम शामिल है। इसमें पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पावर्ड ड्राइवर सीट, ड्यूल-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और लेवल-2 एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) जैसे कई आधुनिक सुरक्षा और सुविधा फीचर्स मिलने की उम्मीद है। पावरट्रेन विकल्पों में 1.0 लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन (लगभग 100 बीएचपी) और अधिक शक्तिशाली 1.3 लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन (लगभग 163 बीएचपी) शामिल हो सकते हैं, जो मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों के साथ उपलब्ध होंगे। निसान टेक्टन की संभावित शुरूआती कीमत 10.50 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के आसपास हो सकती है।

ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए तेजी से बढ़ानी होगी विद्युतीकरण की रफ्तार: सागर अदाणी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून ।**

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सागर अदाणी ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए तेजी से विद्युतीकरण (इलेक्ट्रिफिकेशन) बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा भंडारण (स्टोरेज) के साथ जुड़ी नवीकरणीय ऊर्जा ही भविष्य में भरोसेमंद, किफायती और चौबीसों घंटे स्वच्छ बिजली उपलब्ध कराने की सबसे अहम कुंजी होगी। लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक के दौरान लंदन के साइंस म्यूजियम में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और एनर्जी ट्रांजिशन्स कमीशन (ईटीसी) की साझेदारी में आयोजित पहले अदाणी ग्रीन एनर्जी डायलॉग में बोलते हुए सागर अदाणी ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा, किफायतीपन और स्थिरता आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल हैं। सागर अदाणी ने कहा, 'विद्युतीकरण इन तीनों चुनौतियों का समाधान करने का सबसे प्रभावी तरीका बनकर उभर रहा है। जो देश मजबूत आर्थिक विकास और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता चाहते हैं, उनके लिए तेजी से विद्युतीकरण अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है।' उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा की वास्तविक क्षमता तब सामने आती है, जब उसे बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) और पंप्ड स्टोरेज

प्रोजेक्ट (पीएसपी) जैसी ऊर्जा भंडारण तकनीकों के साथ जोड़ा जाए।

सागर अदाणी ने कहा, 'ये तकनीकें स्वच्छ ऊर्जा को भरोसेमंद, किफायती और चौबीसों घंटे उपलब्ध कराती हैं। अदाणी ग्रीन इसी सोच को आगे बढ़ा रही है और वर्ष 2030 तक 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की दिशा में काम कर रही है। गुजरात के खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र विकसित किया जा रहा है, जहां बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण के साथ स्वच्छ ऊर्जा को जोड़ा जा रहा है।'

इस संवाद कार्यक्रम में नीति निमार्ता, निवेशक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और जलवायु विशेषज्ञ शामिल हुए। सभी ने स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को तेज करने के लिए आवश्यक नीतियों, निवेश और बुनियादी ढांचे पर चर्चा की।

दुनिया के सबसे बड़े स्वतंत्र जलवायु आयोजनों में शामिल लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम ने जलवायु परिवर्तन से निपटने, नई नीतियों को बढ़ावा देने और ऊर्जा परिवर्तन के लिए निवेश जुटाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया।

एनर्जी ट्रांजिशन्स कमीशन के सह-अध्यक्ष लॉर्ड अडेयर टर्नर ने कहा कि यदि दुनिया को शून्य-उत्सर्जन अर्थव्यवस्था बनानी है और ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित रखना है, तो सबसे महत्वपूर्ण कदम स्वच्छ विद्युतीकरण है। उन्होंने कहा कि जितना संभव हो अर्थव्यवस्था को बिजली-आधारित बनाया जाए और बिजली उत्पादन को अधिकतम स्तर तक कार्बन मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा, 'अच्छी बात यह है कि सड़क परिवहन, भवनों की हीटिंग और कम तापमान वाली औद्योगिक प्रक्रियाओं जैसे कई क्षेत्रों में विद्युतीकरण पहले से ही आर्थिक रूप से लाभदायक साबित हो रहा है। वहीं नई तकनीकों की बदौलत अब भारी उद्योगों में भी उच्च तापमान वाली प्रक्रियाओं का विद्युतीकरण संभव होता जा रहा है।' एम्बिशन लूप के सह-संस्थापक और यूके क्लाइमेट चेंज कमेटी के अध्यक्ष नाइजेल टॉपिंग ने कहा कि बिजली उत्पादन को कार्बन मुक्त बनाने में निवेश बढ़ रहा है, लेकिन वास्तविक आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ तब मिलेगा, जब अर्थव्यवस्था के उन क्षेत्रों का भी विद्युतीकरण होगा जो अभी तक जीवाश्म ईंधन पर निर्भर हैं।

संक्षिप्त खबरें

एयर इंडिया जल्द बहाल कर सकती है अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून । एयर इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी कैंपबेल विल्सन ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और विमान ईंधन की कीमतों में नरमी आने से एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में की गई कटौती को जल्द ही वापस ले सकती है। पिछले महीनों में हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों और बढ़ती ईंधन लागत के कारण एयर इंडिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 27 फीसदी और घरेलू उड़ानों में 22 फीसदी की अस्थायी कटौती की थी, जिससे कई मार्गों पर परिचालन लागत बढ़ गई थी। विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे एक संदेश में कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आई है, जिससे अधिक हवाई क्षेत्र उपलब्ध हुआ है और ईंधन की कीमतों में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने जोर दिया कि यदि यह सकारात्मक रुझान जारी रहता है, तो एयरलाइन हाल की उड़ानों के कार्यक्रम में की गई कटौतियों को वापस लेने में सक्षम होगी, जिससे कुछ शहरों के लिए उड़ानें फिर से शुरू हो सकती हैं।

होरमुज में नई मुसीबत, तेल ढुलाई 9 गुना महंगी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून । खाड़ी देशों में सैन्य तनाव कुछ कम होने के बावजूद एक नई आर्थिक चुनौती सामने आई है। होरमुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही दोबारा शुरू तो हुई है, लेकिन तेल टैंकरों की भारी किल्लत है। इसी कारण भारत आने वाले एक बड़े तेल टैंकर का किराया सामान्य दर से करीब 9 गुना ज्यादा तय हुआ है, जो इस साल का सबसे महंगा किराया है। यह दशार्ता है कि खाड़ी संकट अब एक नए रूप में सामने आ गया है। शिप ब्रोकर्स के अनुसार, फारस की खाड़ी से भारत तक 20 लाख बैरल कच्चा तेल लाने के लिए बुक किए गए जहाज का किराया सामान्य से लगभग 9 गुना अधिक है। तनाव के दौरान कई जहाज क्षेत्र से दूर चले गए थे, और उनकी धीमी वापसी के कारण भारी कमी हुई है।

टूओनो 457 स्पेशल एडिशन भारतीय बाजार में पेश

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून ।**

दोपहिया वाहन निमार्ता अप्रैलिया ने अपनी नई 2026 टूओनो 457 स्पेशल एडिशन को पेश किया है। इसे मैम्बा ब्लैक और प्यूमा ग्रे जैसे दो नए आकर्षक रंगों में उपलब्ध कराया गया है। डिजाइन के मोर्चे पर, बाइक में एक नया स्मोक्ड फ्लाईस्क्रीन दिया गया है जो फ्रंट प्रोफाइल को अधिक आक्रामक बनाता है और तेज हवा के दबाव को कम करता है।

राइडिंग कम्फर्ट को प्राथमिकता देते हुए, इसमें एक नया और ऊंचा हैंडलबार शामिल किया गया है, जिससे राइडर अधिक सीधी और आरामदायक स्थिति में सफर कर सकता है। सीट को हाई-रेजिलिएंस फोम से तैयार किया गया है और सस्पेंशन सेटअप को नरम बनाया गया है, जिससे खराब सड़कों पर भी बेहतरीन राइड क्वालिटी मिलती है। परफॉर्मेंस के मामले में, टूओनो 457 स्पेशल एडिशन में वही 457 का पैरेलल-ट्विन, लिक्विड-कूल्ड इंजन बरकरार है, जो 47.6 बीएचपी की अधिकतम पावर और 43.5 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आता है, जो स्मूद और स्पोर्टी राइडिंग

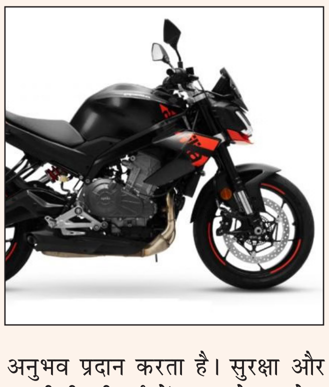

अनुभव प्रदान करता है। सुरक्षा और तकनीकी फीचर्स में एडजस्टेबल ब्रेक लीवर, फुल-एलईडी लाइटिंग सिस्टम और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी सपोर्ट करने वाला फुल-कलर टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर शामिल हैं। क्विकशिफ्टर और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी प्रीमियम एक्सेसरीज भी उपलब्ध हैं। अप्रैलिया इस बाइक पर 4 साल या 48,000 किलोमीटर की वारंटी दे रही है। देशभर के चुनिंदा डीलरशिप पर इसकी बुकिंग शुरू हो चुकी है और डिलीवरी जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। यह बाइक भारतीय मिडिलवेट मोटरसाइकिल सेगमेंट में केटीएम 390 ड्यूक और यामाहा आर3 जैसे प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर देगी.

बिक्री के मामले में होंडा एक्टिवा का दबदबा कायम

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जून ।**

मई 2026 में शानदार बिक्री प्रदर्शन के साथ होंडा एक्टिवा न केवल देश का सबसे ज्यादा बिकने वाला स्कूटर बना, बल्कि टॉप-10 स्कूटरों की सूची में 2 लाख यूनिट की मासिक बिक्री का आंकड़ा पार करने वाला एकमात्र मॉडल भी रहा। टीवीएस जुपिटर ने भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए दूसरे स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी, जबकि इलेक्ट्रिक सेगमेंट में टीवीएस आईक्यूब और बजाज चेतक ने टॉप-5 में जगह बनाकर अपनी लोकप्रियता का प्रमाण दिया। मई 2026 के दौरान होंडा एक्टिवा की 2,28,955 यूनिट की बिक्री दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष मई 2025 में इसकी 1,90,713 यूनिट बिकी थीं। इस तरह एक्टिवा की बिक्री में 38,242 यूनिट की बढ़ोतरी हुई और इसे सालाना आधार पर 20.05 प्रतिशत की वृद्धि हासिल हुई। कुल स्कूटर बाजार में एक्टिवा की हिस्सेदारी लगभग 35.68 प्रतिशत रही, जो इसकी मजबूत बाजार पकड़ को दशार्ती है। दूसरे स्थान पर टीवीएस जुपिटर रहा, जिसकी मई 2026 में 1,24,767 यूनिट बिकीं, एक वर्ष पहले इसी अवधि में इसकी बिक्री 97,606 यूनिट थी। इस तरह जुपिटर को 27.83

प्रतिशत की मजबूत वृद्धि मिली। हालांकि जुपिटर ने एक लाख यूनिट का आंकड़ा पार कर लिया, लेकिन वह एक्टिवा के मुकाबले काफी पीछे दिखाई दिया। तीसरे स्थान पर सुजुकी एक्सेस रहा, जिसकी मई 2026 में 75,729 यूनिट बिकीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट दशार्ती है। इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बढ़ती लोकप्रियता भी इस बार बिक्री आंकड़ों में साफ दिखाई दी।

टीवीएस आईक्यूब ने 42,192 यूनिट की बिक्री के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जिसकी बिक्री में 52.64 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं बजाज चेतक ने 38,376 यूनिट बिक्री के साथ पांचवां स्थान हासिल किया और 50.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटरों की लगातार मजबूत होती मांग का संकेत है।

आज का सुविचार

जीवन में सफल होना है तो मेहनत ऐसी करो कि किस्मत भी कहे – ले, अब तो मेरी भी सीमा हो गई।

डेंगू की रोकथाम के लिए 40 ब्रीडिंग चेकर तैनात

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 27 जून ।**

मानसून की दस्तक से पहले जिला स्वास्थ्य विभाग मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। मौसम विभाग की ओर से जल्द मानसून आने की संभावना जताए जाने के बाद विभाग ने डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए विशेष रणनीति तैयार की है। इसके तहत जिले में 40 ब्रीडिंग चेकर की तैनाती की गई है, जो विभिन्न क्षेत्रों में जाकर मच्छरों के लार्वा की पहचान और उसे नष्ट करने का काम करेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बारिश के दौरान घरों, बाजारों, औद्योगिक इकाइयों और सार्वजनिक स्थलों पर पानी जमा होने से डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छरों के पनपने की आशंका बढ़ जाती है। इसे देखते हुए विशेष निगरानी अभियान चलाया जाएगा।

विभाग की टीमें नियमित रूप से कॉलोनियों, स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों का निरीक्षण करेंगी ताकि समय रहते लार्वा को नष्ट किया जा सके और बीमारी के प्रसार को रोका जा सके।

30 से अधिक स्थानों पर मिला था लार्वा

स्वास्थ्य विभाग की ओर से हाल ही में चलाए गए निरीक्षण अभियान के दौरान जिले में 30 से अधिक स्थानों पर डेंगू का लार्वा मिला था। विभाग ने तत्काल लार्वा को नष्ट करने के साथ संबंधित लोगों को नोटिस भी जारी किए थे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि दोबारा लार्वा मिलने पर संबंधित व्यक्ति या संस्थान के खिलाफ चालान समेत अन्य कार्रवाई की जा सकती है।

सार्वजनिक स्थलों पर भी रहेगी विशेष निगरानी: ब्रीडिंग चेकर कॉलोनियों के अलावा बाजारों, औद्योगिक क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों पर भी नियमित निरीक्षण करेंगे। जहां भी मच्छरों के प्रजनन की संभावना मिलेगी, वहां एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया जाएगा। विभाग ने नागरिकों से कूलर, गमलों, टंकियों और अन्य जल स्रोतों में पानी जमा नहीं होने देने की अपील की है।

जिले में अब तक केवल एक डेंगू मरीज

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, इस वर्ष जिले में अब तक डेंगू का केवल एक मामला सामने आया है। अप्रैल माह में मिले इस मरीज के बाद अब तक कोई नया मामला दर्ज नहीं हुआ है। विभाग का मानना है कि जनसहयोग और नियमित निगरानी से इस स्थिति को बरकरार रखा जा सकता है।

जिले में अप्रैल में डेंगू का एक मामला सामने आया था। इसके बाद कोई नया मरीज नहीं मिला है। मानसून के दौरान मच्छरों की ब्रीडिंग पर नियंत्रण के लिए 40 ब्रीडिंग चेकर तैनात किए गए हैं। ये टीमें नियमित रूप से एंटी लार्वा गतिविधियां चलाएंगी और घर-घर जाकर जांच करेंगी।-डॉ. रामभगत, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी

बिजली कर्मचारियों ने कार्यकारी अभियंता कार्यालयों के बाहर किया प्रदर्शन

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 27 जून ।**

एचएसईबी वर्कर्स यूनियन के प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत शुक्रवार को डीएचबीवीएन सर्कल फरीदाबाद के चारों कार्यकारी अभियंता कार्यालयों के बाहर बिजली कर्मचारियों ने चार घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने सरकार और बिजली निगम प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग उठाई।

प्रदेश के मुख्य संगठनकर्ता विनोद शर्मा और सर्कल सचिव लेखराज चौधरी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में आईएमटी स्थित ग्रेटर

फरीदाबाद, सेक्टर-15 स्थित ओल्ड फरीदाबाद, सेक्टर-6 स्थित बल्लभगढ़ तथा सेक्टर-23 स्थित एनआईटी फरीदाबाद डिवीजन के कर्मचारियों ने भाग लिया। विभिन्न डिवीजन में यूनियन पदाधिकारियों की अगुवाई में कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन में विनोद शर्मा ने कहा कि सरकार एग्री डिस्कॉम के नाम पर बिजली क्षेत्र के निजीकरण की दिशा में कदम बढ़ा रही है, जिसका कर्मचारी विरोध करेंगे। उन्होंने जोखिम भत्ता, निशुल्क कैशलेस चिकित्सा सुविधा, सभी कर्मचारियों को मुफ्त बिजली यूनिट, पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू करने, ऑनलाइन तबादला नीति समाप्त करने, डीसी रेट और एचकेआरएन कर्मचारियों को नियमित कर समान कार्य के लिए समान वेतन देने, वेतन विसंगतियां दूर करने, इंटर यूटिलिटी ट्रांसफर लागू करने और बिजली संशोधन विधेयक 2023 और 2025 को वापस लेने सहित अन्य मांगें रखीं।

सर्कल सचिव लेखराज चौधरी ने कहा कि यदि सरकार और निगम प्रबंधन ने कर्मचारियों की मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूनियन के तय कार्यक्रम के अनुसार 2 जुलाई को अंबाला में बिजली मंत्री अनिल विज का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगों की अनदेखी होने पर प्रदेशभर में आंदोलन का दायरा और व्यापक किया जाएगा।

बच्चा चोर गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

» **लोनी, यूटर्न/ 27 जून ।**

बच्चा चोर गिरोह के महिला समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से पांच नकली नोट और चार मोबाइल बरामद हुए हैं। गिरोह के 13 सदस्यों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आरोपियों ने अपने नाम अनिल लकड़ा निवासी उत्तम नगर दिल्ली, तरन्नुम निवासी जैतपुर बदरपुर दिल्ली और करुणा निवासी गुरुग्राम बताया है।

पुलिस ने बताया कि 26 मई को पूजा कॉलोनी निवासी हिना की नवजात बच्ची (11 दिन) को घर से चोरी कर लिया था। पुलिस ने मनोज उर्फ मोनू और पूजा को पकड़ा था। दोनों से पूछताछ के बाद नवजात की तस्करी के आरोप में सुनील कुमार, संजय, राजेंद्र सिंह, पवन कुमार,

राबिया, विनीत कुमार, कृष्णा देवी, फरमीना, ज्योति और कुमकुम को मंडोला के पास से दो जून को मंडोला से गिरफ्तार कर नवजात को सकुशल बरामद किया था। गिरोह के सदस्य नवजात को आंध्र प्रदेश में रहने वाले दंपति को बेचने जा रहे थे। वहीं, पुलिस ने मामले में 21 जून को गिरोह के भागे हुए आरोपी नदीम खान निवासी खजूरी दिल्ली को खानपुर गांव के पास से गिरफ्तार किया था।

शार्ट सर्किट से मेडिकल स्टोर में आग लग, लाखों का सामान जलकर राख

लोनी, यूटर्न/ 27 जून । कुम्हार कॉलोनी स्थित मेडिकल स्टोर में बृहस्पतिवार को आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने दो फायर टेंडर की सहायता से आग पर काबू पाया। आग का कारण शॉर्ट सर्किट होना माना जा रहा है। कुम्हार कॉलोनी निवासी राहुल ने बताया कि उनके मकान के भूतल पर मेडिकल स्टोर है। बृहस्पतिवार तड़के करीब दो बजे आग और धुआं देख कर शोर मचाकर मद्द की गुहार लगाई। लोगों ने दमकल कर्मियों को सूचना दी और उन्हें मकान की ऊपरी मंजिल से पड़ोसी की छत से नीचे उतारा और सबमर्सिबल से पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने दो फायर टेंडर से पानी डालकर आग पर काबू पाया। दमकल उपनिरीक्षक गौरव कुमार ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पीड़ित ने आग से लाखों रुपये का नुकसान होने की बात कही है।

कहासुनी में की थी महिला की हत्या, पुलिस पकड़ने गई तो ड्रेन में गिरा आरोपी, दोनों पैर टूटे

» **गुरुग्राम, यूटर्न/ 27 जून ।**

सेक्टर-10 थाना इलाके में झाड़ियों में मृत मिली महिला शबीना की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस के अनुसार कहासुनी के चलते सोसाइटी में सफाई का काम करने वाले युवक ने शबीना की हत्या की थी। आरोपी की पहचान कर पुलिस टीम उसे पकड़ने गई तो भागने के दौरान वो ड्रेन में गिर गया और उसके दोनों पैर टूट गए। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी 28 साल का दीपू राय पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के सिलिगुड़ी का रहने वाला है।

६वो अभी दिल्ली के महात्मा ज्योतिबा फूले मार्ग सांगली मेस में रहता है। मामले में खेड़की दौला थाना पुलिस को 12 जून को यूपी के बरेली निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी। उसने बताया था कि वो सिकंदरपुर गांव में किराये पर रहता है। 8 जून से उसकी 25 साल की पत्नी शबीना लापता है। खेड़की दौला थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। इसी दौरान 13 जून को शबीना का शव सेक्टर-10 थाना इलाके में झाड़ियों में मिला। पोस्टमार्टम के बाद केस में हत्या की धारा जोड़ी गई। मामले में जांच करते हुए अपराध शाखा मानेसर की टीम ने अरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने के प्रयास किए।

> आरोपी 28 साल का दीपू राय पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के सिलिगुड़ी का रहने वाला है। वो अभी दिल्ली के महात्मा ज्योतिबा फूले मार्ग सांगली मेस में रहता है। मामले में खेड़की दौला थाना पुलिस को 12 जून को यूपी के बरेली निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी। उसने बताया था कि वो सिकंदरपुर गांव में किराये पर रहता है।

दबिश देकर रामपुरा चौक से आरोपी को पकड़ा

21 जून को पुलिस टीम आरोपी को पकड़ने के लिए रामपुरा चौक पर गई। आरोपी पुलिस टीम को देखकर भागने लगा और इसी चक्कर में वो सड़क किनारे ड्रेन में गिर गया। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने बताया कि दोनों पैर टूट गए हैं। अस्पताल से छुट्टी मिलने पर आरोपी दीपू राय को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पूछताछ में पता चला कि वह सेक्टर-89 में टॉयलेट सफाई का काम करता है। मृतक महिला कूड़ा बीनने का काम करती थी। 9 जून की सुबह महिला जब कूड़ा बीनने निकली तो अल-सुबह लगभग 4:30 बजे सेक्टर-89 अंतरिक्ष चौक के आरोपी की महिला से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। दोनों में झगड़ा हुआ और जब महिला ने शोर मचाया तो आरोपी ने महिला की चुन्नी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

संक्षिप्त खबरें

ड्रग्स फ्री हरियाणा अभियान का समापन, इस साल 300 से अधिक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 27 जून । हरियाणा राज्य नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो और फरीदाबाद पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे ड्रग्स फ्री हरियाणा (नशा मुक्त हरियाणा) अभियान का समापन शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर सूरजकुंड रोड स्थित एनएचपीसी परिसर में हुआ। 11 जून को सिरसा से शुरू हुई 16 दिवसीय जागरूकता यात्रा का समापन फरीदाबाद में किया गया।

पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) हिमाद्री कौशिक ने कहा कि फरीदाबाद पुलिस ने पिछले एक वर्ष में 500 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर करीब ढाई लाख लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया है। कार्यक्रम का आयोजन एनएचपीसी के सहयोग से किया गया। इसमें पुलिस उपायुक्त (यातायात) जयवीर राठी, एनएचपीसी के अधिकारियों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, हरियाणा राज्य नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो, फरीदाबाद पुलिस के अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भाग लिया। नशे के दुष्परिणामों पर बनाई गई पेंटिंग भी आकर्षण का केंद्र रहीं। पुलिस के अनुसार वर्ष 2025 में नशीले पदार्थों की तस्करी के 467 मामलों में 500 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिससे फरीदाबाद पुलिस इस कार्रवाई में पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर रही। वहीं वर्ष 2026 में अब तक 238 मामलों में 300 से अधिक आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे को जेसीबी मशीन से ध्वस्त किया

लोनी, यूटर्न/ 27 जून । मीरपुर हिंदू गांव स्थित सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को जिला प्रशासन की टीम ने जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। लोनी एसडीएम दीपक कुमार ने बताया कि डीएम के निर्देश पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। मीरपुर हिंदू गांव के पास सरकारी भूमि खसरा संख्या 1163 के 300 वर्गगज प्लॉट पर कब्जा कर चाहर दिवारी की जा रही थी। टीम ने सरकारी भूमि पर की गई बाउंड्री को तोड़कर ध्वस्त कर दिया। एसडीएम ने बताया कि सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

फीफा विश्व कप 2026 में नॉर्वे के खिलाफ चौथा गोल करने के बाद जश्न मनाते फ्रांस के डिजायर डुए।

भारत-इंग्लैंड टी-20 सीरीज: कोल्स से टीम इंडिया को रहना होगा सावधान

» लंदन, यूटर्न/ 27 जून।

भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से होने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ी जेम्स कोल्स से सावधान रहना होगा। भारतीय टीम इस दौरे में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड की टीम में इस बार नये खिलाड़ी के तौर पर केवल कोल्स को रखा गया है। कोल्स दाएं हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं और स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। वह घरेलू क्रिकेट में पिछले एक साल से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। इस साल की शुरूआत में द हंड्रेड नीलामी में उन्होंने सदर्न ब्रेव की ओर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें टीम ने सबसे अधिक कीमतों में खरीदा था। हाल ही में ससेक्स के लिए काउंटी चैंपियनशिप के एक मैच में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए इस युवा ने नाबाद 224 रन की शानदार पारी खेली थी।

इस क्रिकेटर ने काउंटी के अलावा इस साल की शुरूआत में एसए 20 लीग में काव्या मारन की मालिकाना अधिकार वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए भी खेला था जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड पुरुष टीम के मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने कोल्स की जमकर सराहना की है। नॉर्थ ने कहा कि जेम्स कोल्स एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के साथ-साथ देश-विदेश की टी-20 प्रतियोगिताओं में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। कोल्स का क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है, भले ही वह अभी युवा हैं। ससेक्स के लिए खेलते हुए, उन्होंने अब तक 58 फर्स्ट-क्लास, 24 लिस्ट-ए और 71 टी-20 मैच खेले हैं। सबसे छोटे प्रारूप टी-20 में, उन्होंने 61 पारियों में 146.37 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 1,373 रन बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। गेंदबाजी में भी, उन्होंने 56 पारियों में 59 विकेट लेकर अपनी ऑलराउंड क्षमता साबित की है।

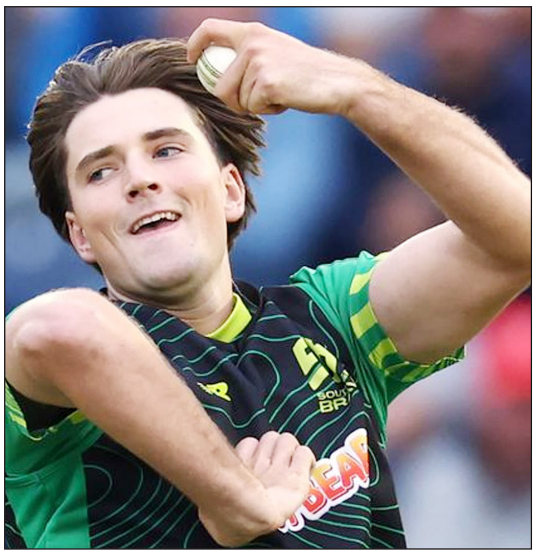

फीफा विश्वकप ट्रॉफी में लगे सोने की कीमतें दोगनी हुई

» न्यूजर्सी, यूटर्न/ 27 जून।

हाल के कुछ समय में जिस प्रकार से सोने की कीमतों में उछाल आया है। उसका प्रभाव फीफा विश्वकप ट्रॉफी पर भी पड़ा है। इसी कारण फीफा विश्वकप ट्रॉफी में लगे सोने की कीमत अब बढ़कर लगभग 7.13 लाख डॉलर (तकरीबन 6.73 करोड़ रुपये) तक पहुंच गयी ये चार साल पहले की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। वित्तीय आंकलन वाली एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 के विश्व कप के समय ट्रॉफी में मौजूद सोने का मूल्य लगभग 2.77 लाख डॉलर आंका गया था। यह आंकड़ा दिखाता है कि केवल दो साल में सोने की कीमत में तेजी आई है। गौरतलब है कि फीफा विश्व कप ट्रॉफी 18 कैरेट सोने से बनी है और इसका कुल वजन 6.175 किलोग्राम है। इसमें लगभग 4.93 किलोग्राम सोना जड़ा है। इसी कारण ये सबसे कीमती ट्रॉफी मानी जाती है। सोने की कीमतों में यह उछाल भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक व्यापार अनिश्चितता को माना जा रहा है। खिलाड़ियों के लिए विश्व कप ट्रॉफी का महत्व अमूल्य है, पर इसमें मौजूद सोने का मौद्रिक मूल्य इस बात का प्रमाण है कि इस कीमती धातु की कीमत पिछले कुछ साल में कितनी तेजी से बढ़ी है। इससे पहले 1974 के विश्व कप से पहले वर्तमान ट्रॉफी डिजाइन को पेश किया गया था, तब इसमें लगे सोने की अनुमानित कीमत केवल 25,000 डॉलर थी। यह तुलना सोने की कीमतों में ऐतिहासिक उछाल को दिखाती है। फीफा विश्व कप ट्रॉफी दुनिया की उन कुछ प्रमुख खेल ट्रॉफियों में से एक है जो पूरी तरह से सोने से बनी है। यह विशेषता इसे अन्य प्रतिष्ठित ट्रॉफियों से अलग करती है जबकि यूईएफए चैंपियंस लीग और यूईएफए यूरोपा लीग की ट्रॉफियां चांदी से बनी हैं।

टी20 ब्लास्ट 2026 के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगे आमिर

» लंदन, यूटर्न/ 27 जून।

विवादों में रहे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अब टी20 ब्लास्ट 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगेहैं। आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ही घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। इससे अब ये तेज गेंदबाज अपने क्रिकेट करियर की नई पारी शुरू कर रहा है। आमिर को एक समय पाक का एक बेहतरीन तेज गेंदबाज माना जाता था पर स्पॉट फिक्सिंग मामले के चलते उन्हें झटका लगा और पाक क्रिकेट में उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। वहीं अब ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर का काउंटी क्रिकेट में विदेशी खिलाड़ी के वर्ग में नहीं गिना जाएगा जिससे इंग्लैंड की ओर से उनके पास अब घरेलू क्रिकेट में भी खेलने के कई अवसर हैं। नॉटिंघमशायर ने आमिर के साथ करार किसे जाने को सही बताया है। साथ ही कहा कि 34 वर्षीय आमिर ब्लास्ट अभियान के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें नॉकआउट चरण भी शामिल है। काउंटी टीम अभी नॉर्थ ग्रुप में शीर्ष के करीब है और उन्हें उम्मीद है कि आमिर का लंबा अनुभव खिताब जीतने की उनकी संभावनाओं को और मजबूत करेगा। क्लब ने कहा कि अब जब उन्हें ब्रिटिश पासपोर्ट मिल गया है। उन्हें विदेशी खिलाड़ी नहीं माना जाएगा। गौरतलब है कि आमिर का करियर सबसे उतार-चढ़ाव भरा रहा है। सा 2009 टी20 विश्व कप और 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके नाम 364 टी20 मैचों में 425 विकेट लिए जिसमें उनका औसत 22.63 और इकॉनमी रेट 7.36 रहा।

रश्मिका मंदाना ने पेट डॉग ऑरा और कच्चे आम के साथ साझा किए खुशी के पल

लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपने प्रशंसकों और अनुयायियों के साथ अपने प्यारे पालतू कुत्ते ऑरा के साथ बिताए कुछ आनंदमय और निजी पलों को साझा किया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर ऑरा के साथ कई दिल छू लेने वाले वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन्होंने तुरंत सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित किया। पोस्ट के पहले वीडियो में, रश्मिका को अपने चार पैरों वाले प्यारे दोस्त ऑरा पर जी भर कर प्यार बरसाते हुए देखा जा सकता है। यह वीडियो उनके गहरे बंधन और स्नेह को दर्शाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऑरा उनकी जिंदगी का कितना महत्वपूर्ण हिस्सा है। पुष्पा और एनिमल जैसी सफल फिल्मों की इस अभिनेत्री ने इसके बाद अपनी कुछ खूबसूरत सेल्फी भी साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कच्चे आम के टुकड़ों की कुछ स्वादिष्ट तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनका उन्होंने उस दिन आनंद लिया था। इन निजी पलों को साझा करते हुए, रश्मिका ने दिखाया कि वह अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद छोटे-छोटे सुखों और अपने पालतू जानवर के साथ समय बिताने का कितना महत्व देती हैं। एक और तस्वीर में, ऑरा को रश्मिका के बगल में शांति से बैठे हुए और प्यार भरी नजरों से उन्हें देखते हुए देखा गया। यह दृश्य उनके बीच के सौहार्दपूर्ण रिश्ते को दर्शाता है। पोस्ट के आखिरी वीडियो क्लिप में, द गर्लफ्रेंड की अभिनेत्री रश्मिका को ऑरा एक गहरी और जिज्ञासु नजर से देख रहा था, जिसे देखकर उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, ये सभी लड़कियां एक जैसी दिखती हैं: लंबे बाल, बड़ी आंखें, लंबी नाक। यह मजेदार टिप्पणी प्रशंसकों के बीच खूब पसंद की गई। इन सभी तस्वीरों और वीडियो के साथ, रश्मिका ने कैप्शन में लिखा, बस मैं, मेरी प्यारी ऑरा, कच्चे आम और खुशी के छोटे-छोटे पल। यह कैप्शन उनके जीवन की सादगी और खुशियों को दर्शाता है, जो उन्हें अपने पालतू जानवर और प्रकृति के करीब रहने से मिलती हैं। जो लोग नहीं जानते, रश्मिका एक प्यारी कॉकर स्पैनियल, ऑरा की मालकिन हैं, और वह अक्सर सोशल मीडिया पर उसके साथ अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं। काम के मोर्चे पर, रश्मिका मंदाना अगली बार रवींद्र पुल्ले की आगामी फिल्म मैसा में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म निर्माता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया कि फिल्म के एक गाने की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। उन्होंने गाने के सेट की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मैसा गाने की शूटिंग पूरी हो गई है। रश्मिका पर फिल्माए गए इस गाने को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर ब्रिंदा ने कोरियोग्राफ किया है। इससे पहले, मई में रश्मिका ने खुद खुलासा किया था कि उन्होंने केरल में फिल्म मैसा का एक लंबा शेड्यूल पूरा कर लिया है।

अपनी फिल्म को मिले प्यार पर आभार जताया शरवरी वाघ ने

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने हाल ही में अपनी नवीनतम फिल्म मैं वापस आऊंगा को दर्शकों से मिल रहे असाधारण प्यार और समर्थन के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने एक भावुक नोट में इस बात पर जोर दिया कि हर कलाकार का यह सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो केवल सिनेमाघरों तक सीमित न रहे बल्कि दर्शकों के दिल और दिमाग में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़े। शरवरी का मानना है कि इस फिल्म ने उनके लिए इस सपने को साकार किया है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के प्रति दर्शकों की विभिन्न प्रतिक्रियाएं, भावुक समीक्षाएं, सिनेमाघरों के दृश्य और साथ ही फिल्म के लोकप्रिय गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड-द-सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे। ये पोस्ट इस बात का प्रमाण थे कि फिल्म ने दर्शकों के साथ एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव बना लिया है। अपने पोस्ट के कैप्शन में शरवरी ने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यारङ्ड मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं। उनकी इन पंक्तियों से फिल्म के साथ उनके व्यक्तिगत जुड़ाव और दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से मिल रही संतुष्टि का पता चलता है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

सीजफायर तोड़ा तो भड़के ट्रंप, ईरान के कई ठिकानों पर हवाई हमले

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 27 जून।

मिडिल ईस्ट में एक हफ्ता पहले ही संघर्ष विराम पर सहमति बनी थी, लेकिन यह सहमति चंद दिनों में ही टूटती दिख रही है। पहले ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों पर हमला किया, जिसके बाद अमेरिका ने भी ईरान के कई ठिकानों पर हवाई हमले कर दिए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शुक्रवार, 26 जून को ओमान तट के पास एक मालवाहक जहाज पर हुए ड्रोन हमले का जवाब दिया और ईरान के भीतर कई सैन्य ठिकानों पर भीषण जवाबी हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी सेना ने ईरान के मिसाइल

और ड्रोन केंद्रों के साथ-साथ तटीय रडार साइटों को निशाना बनाया है, जिसकी पुष्टि स्वयं अमेरिकी अधिकारियों ने की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की इस हरकत को सीजफायर समझौते का मूर्खतापूर्ण उल्लंघन करार दिया है और कड़ी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। 25 जून को सिंगापुर के झंडे वाले एक बड़े मालवाहक जहाज पर ओमान तट के पास स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से बाहर निकलते समय ईरान द्वारा आत्मघाती ड्रोन दागे गए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, इस जहाज को निशाना बनाकर कुल चार ड्रोन दागे गए थे, जिनमें से तीन को अमेरिकी सेना ने हवा में ही मार गिराया। हालांकि, एक ड्रोन जहाज के ऊपरी डेक पर जा टकराया, जिससे जहाज को काफी नुकसान पहुंचा। ब्रिटिश सेना ने भी इस हमले की पुष्टि की है, लेकिन राहत की बात यह रही है कि किसी भी नाविक के हताहत होने की खबर नहीं है इस उकसावे वाले हमले के ठीक एक दिन बाद, अमेरिकी विमानों ने ईरानी सीमा के भीतर घुसकर उसके ड्रोन और मिसाइल डिपो को तबाह कर दिया। सेंटकॉम ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जारी बयान में कहा, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने जहाज पर कल हुए हमले के एक शक्तिशाली जवाब के रूप में ईरान के खिलाफ हवाई हमले किए हैं। ईरानी सैनिकों द्वारा जहाजों पर किया गया यह बिना वजह का हमला सीधे तौर पर युद्धविराम का उल्लंघन है।

फटाफट खबरें

तीस्ता प्रोजेक्ट पर चीन ने कहा- हमें तीसरे देश से मतलब नहीं

बीजिंग, यूटर्न/ 27 जून। बांग्लादेश के साथ बंदरगाह विकास और तीस्ता जल प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद, चीन ने यह स्पष्ट किया है कि उसका यह सहयोग किसी तीसरे देश को निशाना बनाने के उद्देश्य से नहीं है। चीन का यह बयान स्पष्ट तौर पर भारत की ओर इशारा करता है, जो बांग्लादेश के साथ चीन की बढ़ती निकटता को अपनी रणनीतिक चिंताओं के साथ देख रहा है। हाल ही में, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत के बजाय चीन को चुना, जिसने कूटनीतिक हलकों में काफी चर्चा बटोरी। उनकी इस यात्रा के दौरान चीनी जल संसाधन मंत्री ली गुओयिंग के साथ बातचीत हुई, जिसमें दोनों देशों ने तीस्ता नदी प्रबंधन और अन्य नदी परियोजनाओं पर सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

पाकिस्तान में भूकंप के तेज झटके, 5.4 की तीव्रता से हिली धरती

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 27 जून। शनिवार सुबह पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में 5.4 तीव्रता के तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। इससे कुछ ही समय पहले वेनेजुएला में भी ऐसी ही घटना हुई थी, जिसने वैश्विक स्तर पर भूकंपीय गतिविधियों में वृद्धि का संकेत दिया। यूरोपियन-मेडिटेरेनियनसीस्मोलॉजिकल सेंटर (ईएमएससी) और अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) की प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के बरखान शहर से लगभग 63 किलोमीटर दूर जमीन से 35 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। हालांकि, कुछ अन्य स्रोतों ने इसकी गहराई 10 किलोमीटर बताई है, जिससे सटीक गहराई को लेकर थोड़ी भिन्नता है। भारतीय समयानुसार यह भूकंप सुबह करीब 8:36 बजे आया, जिसके झटके महसूस होते ही कई इलाकों में लोग घबराकर अपने घरों और अन्य इमारतों से बाहर सुरक्षित स्थानों पर निकल आए। यह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी, क्योंकि अचानक आए इन झटकों ने लोगों के मन में डर पैदा कर दिया था। फिलहाल, यह राहत की बात है कि अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान या किसी बड़े बुनियादी ढांचे को गंभीर क्षति पहुंचने की कोई तत्काल रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

कनाडा में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या में 60 फीसदी की भारी गिरावट

टोरंटो, यूटर्न/ 27 जून। कनाडा में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों के आकर्षण में इस साल ऐतिहासिक गिरावट दर्ज हुई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष देश में आने वाले विदेशी छात्रों की कुल संख्या में 60 प्रतिशत की भारी कमी आई है, जिसमें एक लाख पचास हजार से अधिक छात्रों की कमी दर्ज हुई है। इस गिरावट पर देश के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मुहर लगाकर कहा कि उनकी सरकार ने इमिग्रेशन प्रणाली पर पुनः पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है। सरकार का उद्देश्य एक अधिक टिकाऊ, पारदर्शी और भरोसेमंद आव्रजन व्यवस्था का निर्माण करना है जो कनाडाई मूल्यों के अनुकूल हो। प्रधानमंत्री के अनुसार, नए सुधारों के बाद शरणार्थियों के दावों में एक-तिहाई और अस्थायी विदेशी कामगारों की संख्या में भी लगभग आधी कटौती की गई है।

डीआरसी में इबोला का कहर जारी: पीड़ितों की संख्या 1200 के पार, 321 ने तोड़ा दम

किंशासा, यूटर्न/ 27 जून। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला संक्रमितों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी जारी है। आंकड़ा 1,200 के पार पहुंच गया है। 1,203 लोगों के इबोला पीड़ित होने की पुष्टि की जा चुकी है जिसमें से 321 जान गंवा चुके हैं। यह जानकारी देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से जारी नवीनतम रिपोर्ट में दी गई। शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 148 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 419 मरीज आइसोलेशन में हैं या अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने 265 संदिग्ध मामलों की भी पहचान की है, जिनमें से 77 की मौत हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि डीआरसी में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संपर्कों की निगरानी) का काम तेजी से जारी है और कई मरीज ठीक होकर घर लौट रहे हैं। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई अभी 'बहुत लंबी' है।

पनामा ने भूकंप के बाद वेनेजुएला में भेजी मानवीय सहायता

बचाव और विशेष खोज दल भेजने की हो रही तैयारी

» पनामा सिटी, यूटर्न/ 27 जून।

लगातार दो बार तेज भूकंप आने के बाद भारी तबाही से निपटने में पनामा ने वेनेजुएला की बड़ी मदद की है। राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, पनामा ने वेनेजुएला के लिए 18 टन मानवीय सहायता ले जाने वाली पहली उड़ान पूरी कर ली है। पनामा दक्षिण अमेरिकी देश में एक विशेष खोज और बचाव दल भेजने की भी तैयारी कर रहा है।

मुलिनो ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'पनामा की एकजुटता की वजह से, डोनेशन इकट्ठा किया जा रहा है और 18 टन मदद के साथ पहली उड़ान पूरी हो गई है।'

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मांगी गई सप्लाई में खराब न होने वाला खाना, बोतलबंद पानी, पर्सनल हाइजीन का सामान, बेसिक मेडिकल सप्लाई, टॉर्च, बैटरी और प्रभावित परिवारों के लिए दूसरी इमरजेंसी सप्लाई शामिल हैं। इसके अलावा, पनामा

नेशनल सिविल प्रोटेक्शन सिस्टम के डायरेक्टर उमर स्मिथ ने कहा कि वह एक स्पेशलाइज्ड सर्च और रेस्क्यू टीम को तैनात करने की तैयारी कर रहा है, जिसका नेतृत्व नेशनल सिविल प्रोटेक्शन सिस्टम करेगा। स्मिथ ने बताया कि टीम में सर्च ऑपरेशन के लिए करीब 60 लोग और चार ट्रेंड कुत्ते शामिल हैं। उन्होंने कहा कि टीम के पास लोगों को ढूंढने में मदद करने के लिए ड्रोन और थर्मल-कैमेबल उपकरण होंगे। साथ ही केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर हालात को संभालने के लिए प्रशिक्षित लोग भी होंगे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ऑपरेशन शुरू में सात दिन चलेगा, हालांकि वेनेजुएला के हालात के हिसाब से सर्च का समय बढ़ाया जा सकता है। अगर जरूरत पड़ी तो और बचावकर्मियों को ले जाने वाला दूसरा एयरक्राफ्ट भेजा जाएगा।

फोटो स्टोरी

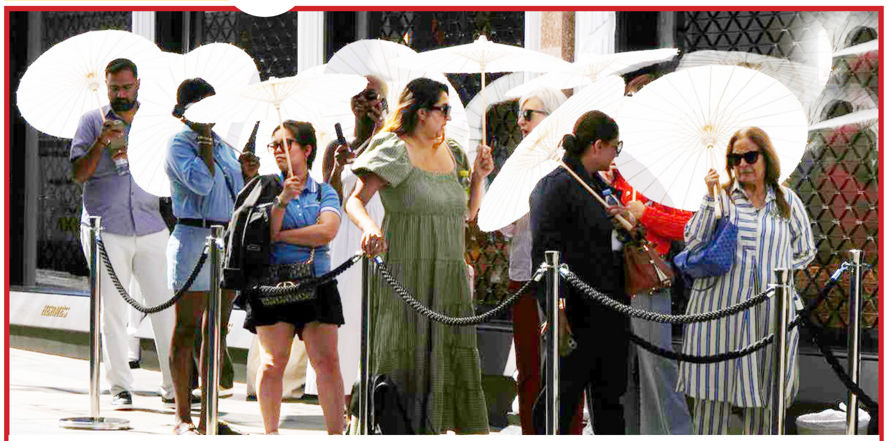

लंदन में भीषण गर्मी का असर, धूप से बचने के लिए छाते लेकर दुकान के बाहर कतार में खड़े लोग।

संयुक्त राष्ट्र ने होर्मुज स्ट्रेट को 'खुला' रखने की अपील की

न्यूयॉर्क, यूटर्न/ 27 जून। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में टकराव की खबरों के बीच यूएन ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा है कि संगठन को उम्मीद है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को 'सतत रूप से खुला' रखा जाएगा। उन्होंने यह बात न्यूयॉर्क में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। दुजारिक ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि सभी पक्ष हर उस समझौते का पालन करें, जिस पर उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह भी जरूरी है कि सभी संबंधित पक्ष व्यापक हितों पर ध्यान केंद्रित रखें,' जिसमें क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के साथ-साथ नाविकों की भलाई भी शामिल है। हजारों-हजार पुरुष और महिलाएं जहाजों पर फंसे हुए हैं, जिन पर हम सभी उन वस्तुओं के लिए निर्भर हैं जिनका हम रोजाना उपभोग करते हैं।' 25 जून को सिंगापुर के कार्गो शिप 'एमवी एवर लवली' पर रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने ड्रोन हमला किया था।

अमेरिका में 4.5 लाख प्रवासी बच्चे लापता, गृह सुरक्षा विभाग चिंतित

» वाशिंगटन, यूटर्न/ 27 जून।

अमेरिका के गृह सुरक्षा सचिव मार्कवेन मुलिन ने बताया है कि उनका विभाग उन 4.5 लाख प्रवासी बच्चों का पता लगाने में जुटा है, जिनका पिछली सरकार के दौरान प्रायोजकों के पास भेजने के बाद संपर्क टूट गया था। अब तक इसमें से 1.47 लाख बच्चों का पता लग चुका है। गृह सुरक्षा से जुड़े मामलों पर हाउस एप्रोप्रिएशन सब-कमेटी के समक्ष गवाही देकर मुलिन ने कहा कि कमजोर और असुरक्षित प्रवासी बच्चों का पता लगाना गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुलिन ने स्पष्ट किया कि जिन बच्चों का पता चला, उनमें से सभी किसी खतरे की स्थिति में नहीं थे, कुछ बच्चे अपने परिवार के सदस्यों के साथ सुरक्षित मिले। हालांकि, उन्होंने कहा कि जांच के दौरान कुछ बेहद गंभीर और चिंताजनक मामले सामने आए हैं। मुलिन ने मानव तस्करी गिरोहों का खुलासा किया, जिनके चंगुल में फंसे प्रवासी बच्चों को गंभीर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का सामना करना

पड़ा। उन्होंने एक मामले का जिक्र किया, जहां वयस्कों के एक गिरोह ने बच्चों को भूमिगत बंकर जैसी कालकोठरी में बंद करके रखा था। मुलिन ने उन नाबालिग लड़कियों की भयावह घटनाओं का उल्लेख किया, जो कथित तौर पर मानव तस्करों के कब्जे में पहुंचने के बाद बार-बार यौन शोषण का शिकार हुईं।

उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की भयावहता किसी डरावनी कहानी की भी कल्पना से आगे है। मुलिन ने कहा कि ऐसी त्रासदियों को रोका जा सकता था और इसी उद्देश्य से गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) लापता प्रवासी बच्चों का पता लगाने के लिए बड़ी विशेष टास्क फोर्स का गठन कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारा मिशन है कि सभी 4.5 लाख बच्चों का पता लगाया जाए।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *